आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 02 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 211
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

वादियों में एक बार फिर गूंजेगी हेरिटेज ट्रेन

पेज-2

आकांक्षा ने किया गौरव खन्ना से तलाक लेने का ऐलान

पेज-5

प्रदेश कांग्रेस अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करेगी

पेज-6

ना निमंत्रण, ना तामझाम...

प्रदेश अध्यक्ष ने दिया सादगी का संदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● आज के दौर में जब विवाह समारोह अपने धन, ऐश्वर्य और प्रतिष्ठा के प्रदर्शन बन गए हैं। राजनीति में कई ऐसे नेता हैं जो अपने पुत्र, पुत्रियों के विवाह में इतना खर्च करते हैं कि ऐसी शादियां चर्चा का बिषय बन जाती हैं।

ऐसे में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बैतूल से भाजपा के विधायक हेमंत खंडेलवाल का अपने बेटे का विवाह बेहद सादगी से कर रहे हैं। दिलचस्प यह है कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर होने के बाद भी उन्होंने बेटे की शादी के निमंत्रण कार्ड ही नहीं छपवाएं हैं। केवल परिवारजनों और करीब के रिश्तेदारों को फोन से सूचना दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा बेहद सादगी से की जा रही बेटे की यह शादी राजनीतिक और प्रशासनिक वीथिकाओं में इस समय चर्चा का बिषय बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक हेमंत खंडेलवाल के पुत्र का विवाह तीन जुलाई को होना है। इस विवाह समारोह में उन्होंने किसी भी राजनीतिक व्यक्ति, जनप्रतिनिधि अथवा सार्वजनिक जीवन से जुड़े किसी भी व्यक्ति को आमंत्रित नहीं किया गया है। उनकी होने वाली पुत्र वधु बैतूल के ही एक गैरराजनीतिक परिवार से वास्ता रखती है। विवाह कार्यक्रम में केवल दोनों परिवारों के सदस्य एवं निकट संबंधी ही शामिल हो रहे हैं। हेमंत खंडेलवाल के परिवार का मानना है कि विवाह एक पावन संस्कार है, जिसका भाव आत्मीयता और पारिवारिक मूल्यों में निहित है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति, पारिवारिक परंपराओं और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक बेहतर संदेश भी माना जा रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बेहद सादगी पसंद हैं और उनकी छवि आम नेताओं से हटकर है। सरकारी तामझाम और सत्ता की चकाचौंध से वे पूरी तरह दूर हैं। अध्यक्ष पद पर आसीन हुए उन्हें एक साल का समय गुरुवार दो जुलाई को पूरा हो रहा है पर उन्होंने अब-तक कोई सरकारी बंगला नहीं लिया है।

बंद कमरे की मुलाकात...

प्रदेश कांग्रेस में नहीं थम रहा अंदरूनी घमासान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बुधवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से मिलने पहुंचे। इस मुलाकात के सियासी मायने लगाए जा रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बंद कमरे में चर्चा हुई। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब पार्टी के भीतर मतभेद सामने आ चुके हैं और संगठन में डैमेज कंट्रोल की चर्चा तेज है।

30 जून को पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में भी दिग्विजय सिंह के उस बयान पर सवाल उठे, जिसमें उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के जमीन आवंटन संबंधी आरोपों से अलग राय रखी थी। बैठक में सार्वजनिक मंच से अलग-अलग बयान देने पर कई नेताओं ने नाराजगी जताई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने राहुल गांधी को ट्वीट करते हुए लिखा कि कार्यकर्ताओं के मनोबल को टूटने से बचाएं।

गौरतलब है कि राज्यसभा चुनाव के बाद से दिग्विजय सिंह पूरी तरह से प्रदेश की राजनीति में अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार उनकी यह सक्रियता प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष की जोड़ी को भा नहीं रही है। हालांकि दिग्विजय सिंह इन सबसे विचलित हुए बिना बेबाक बयानबाजी कर रहे हैं, जिसको लेकर प्रदेश के ही अनेक नेता उन्हें स्लीपर सेल बता रहे हैं। राजनीतिक चाणक्य का दर्जा हासिल किए दिग्विजय ने कल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ बंद कमरे की बातचीत में राजनीतिक सरगर्मियों को हवा दे दी।

अनुभवी नेता बना मासूम...

चिट्ठी बम के तूफान के बाद अनजान बने कैलाश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लिखी चिट्ठी के सवाल पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एकदम अनजान बन गए। यूं कहें कि बिल्कुल मासूम बन गए। जैसे कुछ हुआ ही नहीं। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने कहा- पता नहीं आपको कहां से जानकारी मिली। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सीएम डॉ. मोहन यादव को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने पिछले ढाई साल में अपनी उपेक्षा, असहयोग और विरोध मिलने की बात कही है। अब जब विजयवर्गीय ने चिट्ठी की बात को नकार दिया तो लोग चुटकी लेने लगे। कहने लगे कि मार्केट में विजयवर्गीय का चिट्ठी बम फूट गया और उन तक फुसफुसाहट भी नहीं पहुंची, यह थोड़ा पच नहीं रहा। वैसे, यह पहला मौका नहीं है जब कैलाश विजयवर्गीय अपनी राजनीतिक स्थिति को लेकर चर्चा में आए हों। इससे पहले शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री काल में भी वे खुद की तुलना फिल्म शोले के ठाकुर से कर चुके हैं। अब कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा ने उन्हें भाजपा से इस्तीफा देकर स्वाभिमान के साथ ज़िंदगी जीने की सलाह दी।

कैलाश विजयवर्गीय के पहले बयान और फिर इंकार से इंदौर से लेकर भोपाल तक की राजनीति गरमा गई। कल प्रदेश कार्यालय पर भी इस बयान को लेकर काफी हलचल देखी गई। राजनीतिक समीक्षकों का कहना है कि इस पत्र व्यवहार से संगठन नाराज बताए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

- जापान की पीएम 3 दिन की भारत यात्रा पर राष्ट्रपति भवन पहुंची
- केसी वेणुगोपाल की अगुवाई में आज PAC की बड़ी बैठक, 11 बजे पार्लियामेंट में मंथन
- मुंबई में तेज बारिश का अलर्ट
- ग्रेटर नोएडा में लेबर कैंप में लगी भीषण आग, समय रहते सुरक्षित निकाले गए सभी मजदूर
- शातिर बदमाश सुक्र अली के पैर में लगी गोली, दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा
- रूस के यूक्रेन पर हमले के बीच पोलैंड ने फाइटर जेट्स तैनात किए, सेना ने दी जानकारी

केतन को सिया ने कहां से धक्का दिया था, यह देखने लोहागढ़ किला पहुंच रहे लोग

अचानक बढ़ गई सिया प्वाइंट देखने वालों की संख्या

पुणे (एजेंसी) ● केतन अग्रवाल मर्डर केस के बाद लोहागढ़ किले को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है। इसी किले में सिया ने अपने प्रेमी चेतन के साथ साजिश करके केतन को धक्का मारा था। केतन मर्डर केस के बाद लोहागढ़ किले में जाने वालों की संख्या में अचानक काफी इजाफा हुआ है। पहले की तुलना में यह संख्या 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ चुकी है। जिस जगह से सिया ने केतन को धक्का दिया था, उसे सिया पॉइंट नाम दे दिया गया है। यहां पहुंचने वाले टूरिस्ट उसी जगह पर पहुंचना चाहते हैं।

लोगों के मन में उस जगह को देखने की काफी उत्सुकता है। बता दें कि लोहागढ़ किला 10वीं सदी का है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा यह यूनेस्को साइट के तौर पर भी दर्ज है। करीब दो-तीन घंटे की ट्रेकिंग के बाद, यहां से बहुत ही खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। इन सारी बातों के बावजूद इन दिनों यह ऐतिहासिक जगह, केतन मर्डर केस के चलते सुर्खियों में है। लोहागढ़ किला, पुणे से करीब 50 किमी दूर है। अधिकारियों के मुताबिक पहले यहां पर छुट्टियों में तकरीबन हजार

लोग आया करते थे। लेकिन अब संख्या बढ़कर 1500 हो चुकी है। इसके अलावा सोमवार से शुक्रवार तक पहले लगभग 400 लोग आते थे। अब इन दिनों में भी 600 से ज्यादा लोग यहां आने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को पुलिस ने किले में एंट्री बंद कर दी थी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग बाहर बैठे थे और किले के खुलने का इंतजार कर रहे थे। कुछ लोगों ने कहाकि वह पहले तो किसी अन्य जगह पर जाने वाले थे।

अन्य प्रदेशों के लोग भी यहां पहुंच रहे हैं

सिर्फ महाराष्ट्र के ही लोग नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों से भी लोग यहां पर पहुंच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक विजिटर ने बताया कि जो भी यहां आ रहा है वह केतन मर्डर केस और सिया के बारे में ही बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुबह मैं दूसरी जगह गया था। लेकिन शाम को खुद को यहां आने से नहीं रोक पाया। मैं यह देखना चाहता था कि आखिर वह कौन सी जगह है, जहां से सिया ने केतन को धक्का देकर खाई में गिराया। उसने यह भी कहाकि बहुत सारे लोग उसी जगह को देखने के लिए आ रहे हैं। गौरतलब है कि पुणे के रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी केतन को कथित तौर पर 18 जून को जिले के लोहागढ़ किले की एक चट्टान से धक्का देकर मार डाला गया था। आरोप है कि उसकी मंगेतर सिया गोयल (20) और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) ने केतन को धक्का दे दिया था। केतन और सिया की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी।

'अवधूत चिंतन' के जयघोष के बीच विराजे भगवान श्रीदत्तात्रेय

शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज का संदेश – धर्म की रक्षा ही हर सनातनी का प्रथम कर्तव्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री केशवानंद सरस्वती आश्रम ट्रस्ट एवं श्री दत्त माऊली भाविक मंडल द्वारा आयोजित श्रीदत्त देवालय अवधूत मंदिरम् में चल रहे श्री दत्तात्रेय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के पंचम दिवस बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार, स्वाराभिषेक, प्राण-प्रतिष्ठा एवं विविध धार्मिक अनुष्ठानों के मध्य भगवान श्रीदत्तात्रेय की दिव्य प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा अत्यंत श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम के अंतर्गत मूर्ति प्रतिष्ठा, प्राण-प्रतिष्ठा, तत्त्वन्यास, होम, महापूजा, पूजांग होम, बलिदान एवं उत्तरांग जैसे वैदिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

प्रातः 10.30 बजे परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज ने विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक सनातनी का दायित्व है कि वह धर्म के मार्ग पर चलकर राष्ट्र एवं संस्कृति की रक्षा करे। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अनेक धार्मिक स्थलों पर ज्ञानी, तपस्वी एवं योग्य विद्वानों के स्थान पर अज्ञानी, अयोग्य एवं स्वार्थी लोगों को प्रतिष्ठित किया जा रहा है, जिसके कारण धर्मस्थलों में अधर्म का प्रसार हो रहा है। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि धर्म और शास्त्रसम्मत परंपराओं के संरक्षण के लिए योग्य आचार्यों एवं संतों के मार्गदर्शन में जीवन व्यतीत करें।

धर्मसभा के पश्चात शंकराचार्य स्वामी जी ने मंदिर परिसर में स्थापित भगवान आदि गुरु शंकराचार्य की नवनिर्मित प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया। तत्पश्चात वैदिक ऋत्विजों के सस्वर वेदघोष एवं मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्रीदत्तात्रेय की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। प्राण-प्रतिष्ठा पूर्ण होने के बाद गर्भगृह के पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। जैसे ही भगवान के प्रथम दर्शन हुए, सम्पूर्ण मंदिर परिसर 'अवधूत चिंतन श्री गुरुदेव दत्त' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ भगवान के प्रथम दर्शन कर स्वयं को धन्य अनुभव किया।

रात्रि 8 बजे से आयोजित स्वाराभिषेक कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। मराठी एवं हिंदी भक्ति संगीत की मधुर प्रस्तुतियों ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायक पं. कृष्णेंद्र वाडीकर (हुबली-कर्नाटक) ने अपनी ओजस्वी एवं भावपूर्ण गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ हारमोनियम पर उमेश पुरोहित, तबले पर महेशराज साखंडे, मृदंग पर माऊली फाटक तथा झांझ पर विश्वास कलमकर ने उत्कृष्ट संगत प्रस्तुत की। कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर होकर आनंद लेते रहे।

पूरे दिन चले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में देशभर से पधारे संत-महात्माओं, वैदिक विद्वानों, जनप्रतिनिधि विशेष रूप से दीनदयाला शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन कैबिनट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन ताई, सांसद शंकर लालवनी महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक ऊषा ठाकुर, मधुवर्मा, श्रीमती मालनी गौड़, गोलू शुक्ला, अक्षय बम तथा हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने महोत्सव को ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बना दिया। आयोजन समिति ने सभी भक्तों, अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यक्रमों में भी अधिकाधिक संख्या में सहभागी बनने का आग्रह किया।

न्यूज ब्रीफ

केसरबाग ओर भंवरकुआ ब्रिज के नीचे बोगदे बनेंगे स्मार्ट हब महापौर ने दी स्वीकृति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में शहर के खाली स्थानों के बेहतर उपयोग की दिशा में महापौर पुष्यमित्र भार्गव केसरबाग और भंवरकुआं ब्रिज के नीचे स्मार्ट हब विकसित करने के लिए स्वीकारती दे दी है,दोनों परियोजनाओं की फिजिबिलिटी रिपोर्ट को एमआईसी की मंजूरी मिल गई है। परियोजना से शहर को आधुनिक सुविधाओं के साथ अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा।

अंडरग्राउंड बिजली लाइनों की बारीकियां जानी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पोलोग्राउंड बिजली वितरण कंपनी मुख्यालय में अभियंताओं को दो दिनी अंडरग्राउंड बिजली लाइन संबंधित ट्रेनिंग आयोजित हुई। इसमें परीक्षण सहायक, कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता स्तर के कार्मिकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञों ने अंडरग्राउंड लाइन इंस्टालेशन कार्य, 33 केवी, 11 केवी, एलटी केबल को लगाना, संभालना, संधारण कार्य, एलटी बॉक्स में डबल फीडर संबंधित कार्य एवं उसका संधारण इत्यादि के बारे में विस्तार से बताया। जानकारी दी गई कि शहरी क्षेत्रों में अंडरग्राउंड लाइनों की स्थापना दो से तीन फीट गहराई में की जाती हैं, रेत, पत्थर की चूरी, सीमेंट व अन्य सामग्री से डक्ट का निर्माण कर अंडरग्राउंड केबल बिछाने का कार्य कुशलतापूर्वक होता हैं। एक नियत दूरी पर केबल के दो भागों के बीच एलटी बॉक्स रहता हैं, यहां से आपूर्ति, डबल फीडर, संधारण कार्य संबंधित संरचना की स्थापना की जाती हैं।

आदिमानव के विजेता बने लहू उघड़े

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कई दिनों तक चुनौतीपूर्ण जंगलों में राह खोजने, सीमित संसाधनों और लगातार बदलती परिस्थितियों से लड़ते हुए, लहू उघड़े ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में जीत हासिल की है। अपने एवरेस्ट पर्वतारोहण और सालों के प्रकृति के बीच रहने के अनुभव की बदौलत लहू उघाड़े डिस्कवरी के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रोमांचकारी सर्वाइवल फ्रैंचाइज़ी के भारतीय संस्करण को जीत सके। एशिया-पेसिफिक क्षेत्र में पहली बार पहुंचा यह शो आदिमानवों कि जीवनशैली और उनकी सूझबूझ, कर्मठता और जीवित रहने के कौशल से प्रेरित है। आदिमानव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के छह प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिन्हें फिलिपींस के भयावह और चुनौतीपूर्ण पलावन जंगल में उतारा गया था।

बंधन लार्ज कैप फंड के दो सफल दशक पूरे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बंधन लार्ज कैप फंड के 20 साल पूरे होने पर, यह स्थिरता और क्वालिटी पर आधारित अनुशासित और लंबे समय में वेल्थ बनाने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुआ है। दो दशकों में, फंड ने कई मार्केट साइकल देखे हैं – जिनमें तेज़ी, गिरावट और स्ट्रक्चरल बदलाव शामिल हैं। फिलॉसफी पर कायम रहा है।

उन्नयन और मरम्मत कार्यों के कारण संचालन को लेकर बना हुआ था असमंजस

वादियों में एक बार फिर गूंजेगी हेरिटेज ट्रेन की सीटी, सैलानी प्रकृति के नजारों का करेंगे दीदार !

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

महू ● मालवा के जंगलों की हसीन वादियों और रोमांचक मोड़ों से गुजरने वाली मध्य प्रदेश की एकमात्र पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रैक स्पेशल ट्रेन एक बार फिर पटरी पर लौटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मानसून के इस सुहावने मौसम में पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों का लंबा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। अगस्त की शुरुआत में इस बेहद लोकप्रिय और ऐतिहासिक ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू किया जा सकता है। पिछले काफी समय से इस ट्रैक के उन्नयन और व्यापक मरम्मत कार्यों के चलते इसके संचालन को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई थी। लेकिन बुधवार को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक जीएम रामाश्रय पांडेय और मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम अश्वनी कुमार के हाई-प्रोफाइल संयुक्त निरीक्षण दौरे के बाद अब 18 अगस्त से शुरू होने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

सुरक्षा और आकर्षण पर विशेष फोकस

रेलवे प्रशासन इस बार हेरिटेज यात्रा को पहले से कहीं अधिक सुरक्षित, आरामदायक और पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाने पर काम कर रहा है।जीएम रामाश्रय पांडेय ने अधिकारियों की टीम के साथ पूरे हेरिटेज ट्रैक का सघन निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने ट्रैक की मजबूती, घुमावदार मोड़ों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों, सिग्नलों की स्थिति और घाट सेक्शन में सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

डीआरएम के गुपचुप दौरे पर भड़कीं नेशनल ह्यूमन राइट्स एनजीओ-इधर, मंडल रेल प्रबंधक डीआरएम के महू रेलवे स्टेशन पर बिना किसी पूर्व सूचना के गुपचुप किए गए औचक निरीक्षण को लेकर स्थानीय स्तर पर आक्रोश पनपने लगा है। नेशनल ह्यूमन राइट्स एनजीओ की प्रमुख भावना संगेलिया ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अधिकारी सिर्फ हेरिटेज ट्रेन की व्यवस्थाएं देखने आते हैं, जबकि आम यात्रियों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं को लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है, जो जनता के साथ सरासर नाइंसाफी है। संगेलिया ने कहा कि यदि रेलवे प्रशासन वाकई महू की समस्याओं को लेकर गंभीर है, तो डीआरएम को पूर्व सूचना देकर आना चाहिए। उन्हें किसी एक दिन स्वयं उपस्थित रहकर जनता और स्थानीय संगठनों के सवालों के सीधे जवाब देने चाहिए। गुपचुप तरीके से आकर लौट जाने से समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होता, बल्कि जमीनी हकीकत पर पर्दा डाल दिया जाता है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया है कि महू से चलने वाली डेमू ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जाएं और यात्रियों की सुविधा के लिए इसे प्लेटफॉर्म नंबर एक से संचालित किया जाए। महू स्टेशन से जबलपुर, मुंबई, बैंगलोर, नागपुर और अजमेर जैसे देश के प्रमुख शहरों के लिए सीधी ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाए। एनजीओ प्रमुख ने आरोप लगाया कि रेलवे का पूरा ध्यान सिर्फ हेरिटेज ट्रेन के रखरखाव और पर्यटन पर है, जबकि आम जनता को लंबी दूरी की यात्राओं के लिए भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। संगेलिया ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही महू रेलवे स्टेशन की इन गंभीर जनसमस्याओं को हल नहीं किया गया, तो जनता को अपनी मांगों के लिए उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम से बूथ स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास होगा- मिश्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा कार्यालय पर सांसद शंकर लालवानी, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, खेल प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले, एम आई सी सदस्य अश्विनी शुक्ल, राजेंद्र राठौर, निगम सचेतक कमल वाघेला की उपस्थिति में भाजपा इंदौर महानगर की कामकाजी बैठक सम्पन्न हुई।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती वर्ष संगठन द्वारा पूरे देशभर में मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत डॉ मुखर्जी संस्मरण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम भी इसी संस्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी बूथों पर चलाया जा रहा है, डॉ. श्यामा प्रसाद सदेव कार्यकर्ताओं को राष्ट्रहित और संगठन के विस्तार के लिए संगठन कार्यों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने और जनता को सहभागी बनाने के लिए कहते थे, इसलिए संगठन द्वारा डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम शुरू किया गया है, जिससे बूथ के कार्यकर्ता भी विचारधारा और संगठन कार्यों को समर्पित भाव से पूरा कर संगठन के विस्तार में सहभागी बने और बूथ स्तर पर सक्षम नेतृत्व स्थापित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि डॉ मुखर्जी संस्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत 05 जुलाई को शाम 4 बजे बाबा श्री गार्डन एयरपोर्ट के पास सक्रिय कार्यकर्ताओं का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बूथ समितियों और मंडल स्तर के सक्रिय कार्यकर्ता शामिल होंगे। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता, कार्यकर्ता उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और विचारों को जन जन तक पहुंचा कर संगठन विस्तार कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे।

पूर्व मुख्यमंत्री वंसतराव नायक की जयंती मनाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कार्यक्रम के प्रभारी बबलू राठौर एवं बंजारा समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मोहन राठौर ने बताया कि बंजारा समाज केन्द्रीय समिति इन्दौर द्वारा आयोजित कार्यक्रम बंजारा समाज के महानायक एवं हरित क्रांति के जनक महाराष्ट्र सरकार में 12 साल तक रहे मुख्यमंत्री वंसतराव नायक साहब की 113 वीं जयंती पर राजबाड़ा मां अहिल्या उघान बगिचे में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बंजारा समाज ने पर्यावरण बचाने एवं वर्षा काल ऋतु में ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाने का संकल्प दिलाया । वंसतराव नायक साहब जी उनके पूर्व में मुख्यमंत्री रहते हुए कार्याकाल में महाराष्ट्र में अनेक उपलब्धि वाला रहा है ऐसे महानायक की जयंती आज सभी समाज बंधुओं ने बनाई। इस अवसर पर बंजारा समाज के वरिष्ठ भीम सिंह राठौड़, एडवोकेट दरबार नायक,प्रकाश मानावत, बबिता बाई राठौड़ उपाध्यक्ष पूर्व महिला मोर्चा भाजपा, रामेश्वर पंवार,मांगीलाल राठौर, ज्ञानी किरपाल सिंह, डाक्टर सुंदर नायक, एडवोकेट कैलाश मानावत, करण नायक,जीवन चौहान, शंकर पवार, गिरजा बाई राठौड़ , रोमी पंवार, लक्ष्मण राठौर ,राजा राठौर, घनश्याम पंवार, गोपाल सिंह नायक, ललित राठोर, पुरुषोत्तम लाखा, यशवंत पंवार, लक्ष्मण राठौर, सुनील राठौर, जितेन्द्र राठौड़,विजय देवसत,महैश पंवार आदि बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

आगरा-मुंबई हाईवे पर रात 3 बजे खुला जाम

बसों-ट्रकों में 11 घंटे तक भूखे-प्यासे फंसे लोग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश के धार जिले में आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर बुधवार शाम 4 बजे से जाम लगा हुआ था। रात 11 बजे तक भी हालात सामान्य नहीं हो सके। भेरू घाट से मानपुर ब्रिज तक करीब 25 किलोमीटर लंबा जाम लगा था। सैकड़ों वाहन करीब 7 घंटे से फंसे हुए हैं। बसों, ट्रकों और निजी कारों में सफर कर रहे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं उमस, भूख और प्यास से परेशान हैं।

भेरू घाट से मानपुर ब्रिज तक लगा लंबा जाम पुलिस और प्रशासन की कड़ी मशक्कत के बाद रात करीब 3 बजे पूरी तरह खुलवा दिया गया। जाम हटाने के लिए पूरी रात पुलिस बल मौके पर तैनात रहा। सड़क निर्माण कंपनी की ओर से घाट सेक्शन में किए जा रहे पेविंग (पेज) वर्क के कारण यातायात प्रभावित हुआ था, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थीं।

हादसे में चालक और क्लीनर घायल हो गए- लगातार जाम में फंसे रहने के कारण वाहन चालक पूरी रात विश्राम नहीं कर सका। सोमवार सुबह करीब 6 बजे यशवंत नगर के पास उसे अचानक झपकी आ गई, जिससे महाराष्ट्र से इंदौर की ओर आम लेकर जा रहा आईसर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक और क्लीनर घायल हो गए।

घटना के समय मौके पर मौजूद एडिशनल एसपी राज कृष्ण, एसडीओपी ललित सिकरवार और मानपुर थाना प्रभारी महेंद्र मकाशले ने पुलिस बल के साथ तत्काल राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने दोनों घायलों को वाहन से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

पुलिस बल ने एक-एक कर वाहनों की निकासी कराई- *यातायात सामान्य कराने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजकृष्ण, एसडीओपी ललित और मानपुर थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ देर रात तक मौके पर डटे रहे। पुलिस बल ने एक-एक कर वाहनों की निकासी कराई, जिसके बाद रात करीब 3 बजे जाम पूरी तरह समाप्त हो सका। जाम खुलने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सामान्य हो गया।*

करीब 11 घंटे से यात्री सड़क पर फंसे हुए हैं। सबसे ज्यादा परेशानी लंबी दूरी की बसों के यात्रियों को हो रही है। बसें घंटों से एक ही जगह खड़ी हैं। खाने-पीने का सामान खत्म हो गया था। निजी वाहनों में बैठे लोग भी गर्मी और उमस से परेशान हो रहे थे। हाईवे पर दूर तक वाहनों की कतारें नजर आ रही थी।

विकासखंडस्तरीय बावड़ी उत्सव का आयोजन मना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला इंदौर द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान-2026' के समापन अवसर पर विकासखंड स्तरीय 'बावड़ी उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन ग्राम देव गुराडिया स्थित प्राचीन मंदिर परिसर में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संगोष्ठी एवं जल स्त्रोत पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंदिर परिसर में उपस्थित ग्रामवासियों एवं दर्शनार्थियों के साथ जल संरक्षण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में इंदौर विकासखंड के विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के विभिन्न चरणों एवं अभियान के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी गई।

इंदौर। पिछड़ा, दलित और वंचित समाज की बुलंद आवाज शरद यादव की जयंती पर सेवा एवं सम्मान का आयोजन। साथ ही सत्यशोधक समाज अंतर्राष्ट्रीय ने समाजसेवियों का किया सम्मान भी किया गया।

इंदौर। बैरवा प्रतिभा सम्मान समारोह 10वीं के 34 विद्यार्थी 12वीं कक्षा के 26 विद्यार्थी और 14 विशिष्ट प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया, कुल 74 प्रतिभाओं का समिति द्वारा सम्मान किया गया।

छावनी मंडी शिफ्ट करने को लेकर आईडीए और वन विभाग के बीच नहीं बन रही सहमति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छावनी अनाज मंडी के लिए मोरोद में वन विभाग से जमीन नहीं मिली है जिसके बाद कृषि उपज मंडी प्रशासन का मोरोद में मंडी बनाने का सपना अधर में ही अटक गया है। वर्षों बाद भी कृषि उपज मंडी को शिफ्ट नहीं किया जा सका है।

बताया जा रहा है कि विकास प्राधिकरण ने कृषि उपज मंडी को मोरोद में बनाने से हाथ खींच लिए है जिसके लिए आईडीए ने यह तर्क दिया कि वन विभाग से जमीन दिलाना कृषि उपज मंडी का कार्य है लेकिन इसके पीछे जो कहानी सामने आई वह आईडीए की छावनी कृषि उपज मंडी की जमीन को हथियाने की योजना पर पानी फिरने जैसी है। सुत्रों का कहना है कि पूर्व में आईडीए ने कृषि उपज मंडी प्रशासन से पूर्व में यह अनुबंध किया था कि वह मोरोद में कृषि उपज मंडी को विकसित करके देंगे जिसके एवज में छावनी उपज मंडी की जमीन आईडीए लेगा लेकिन इस मंशा पर वर्तमान के मंडी सचिव ने पानी फेरते हुए आईडीए को दो टूक में जवाब दे दिया है कि वह छावनी मंडी की जमीन आईडीए को नहीं देंगा। यदि मोरोद में वन विभाग से जमीन मिलती है तो मंडी प्रशासन ही मोरोद में मंडी बनवाने का कार्य कर लेंगा। मंडी के इंजीनियर ही मोरोद में मंडी निर्माण करवाने का कार्य संभाल लेंगे। छावनी उपज मंडी को मोरोद में शिफ्ट करने के बाद मंडी प्रशासन की मंशा है कि वह छावनी मंडी की बेशकीमती जमीन जो शहर के बीचों बीच स्थित है पर मसाला मंडी बनाएं। शहर में फिलहाल कोई मसाला मंडी नहीं है। इस कारण किसानों को मसाला की उपज बेचने के लिए परेशान होना पड़ता है और व्यापारी उनके माल को सस्ते भाव में खरीद कर स्वयं ही मुनाफा कमाते है। इसके विपरीत मसाला की खेती करने वाले किसान स्वयं को ठगा सा महसूस करते है। प्रदेश में भोपाल और नीमच में ही मसाला मंडी है इन्हें छोड़ कर अन्य जिलों में कोई मसाला मंडी नहीं होन से किसान परेशान ही रहते है। यदि इंदौर में मसाला मंडी बनेगी तो भविष्य में इससे शहर में मसाला कारोबार भी विकसित होगा।

गौशाला अध्यक्ष पर कब करेगा प्रशासन कार्रवाई ?

तहसीलदार, एसडीएम,कलेक्टर, तक आवेदन लेकिन कार्रवाई शून्य

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● **दैनिक इंदौर संकेत**

रेशम केंद्र गौशाला में हुए भ्रष्टाचार को लेकर मामला अब तुल पकड़ने लगा है गौ सेवक और हिंदू संगठन के लोग अब मैदान में है जिन्होंने हातोद तहसीलदार से लेकर कलेक्टर तक इस मामले की शिकायत की है लेकिन जमीनी हकीकत पर कार्यवाही शून्य साबित हुई इतना ही नहीं इस भ्रष्टाचार के पुख्ता प्रमाण और सबूत हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने पेश किए हैं लेकिन जिम्मेदार अधिकारी दबाव प्रभाव के कारण गौशाला अध्यक्ष राकेश पोरवाल पर कार्रवाई नहीं कर रहे है हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने कहा दो तीन दिन में कार्यवाही नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन करेंगे जिसकी जवाबदारी प्रशासन की रहेंगी।

गौशाला में गबन और भ्रष्टाचार के आरोप प्रशासन मौन

गौशाला में है 50 गाय, लेकिन अनुदान लिया 102 गायों का

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौशालाओं में भ्रष्टाचार और गौवंश पर अत्याचार को लेकर प्रदेश में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल उलट दिखाई दे रहे हैं। ग्राम खजूरिया रेशम केंद्र, हातोद स्थित उत्सव श्राद्ध विहार गौशाला में गंभीर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। गौशाला अध्यक्ष राकेश पोरवाल पर करोड़ों रुपये के वित्तीय गबन, पशु क्रूरता और शासकीय

गौ सेवकों ने अध्यक्ष राकेश पोरवाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं गबन के साथ-साथ गौशाला में गायों को रखने की सुचारू रूप से व्यवस्था नहीं है दूसरा गायों को केवल खाने में भूसा दिया जाता पशु आहार को देखें महीनो हो जाते है इतना ही नहीं गौशाला में गायों को देखने के लिए डॉक्टर भी नहीं आते हैं जानकारी में पता चला कि इलाज के अभाव में कहीं गाये दम तोड़ चुकी है सूत्र बताते हैं कि अध्यक्ष राकेश पोरवाल गायों का दूध लेने प्रतिदिन गौशाला आते हैं दूध लेकर चले जाते हैं गौ सेवा के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है जिसको लेकर जिम्मेदार अधिकारियों तक शिकायत भी की गई लेकिन जांच के नाम पर शिकायतें दम तोड़ देती है। जानकारी में पता चला है कि राकेश पोरवाल और सुभाष जायसवाल मिलकर गोबर का व्यवसाय करते हैं गौ सेवा के नाम पर गौशाला को कलंकित कर रहे हैं कुछ भ्रष्टाचारी लोग अब गायों को भी नहीं छोड़ रहे पशु विभाग से अधिकारियों ने गौशाला में जाकर देखा तो कहीं अनियमिताएं सामने आई है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया गया।

गौ शाला में हो रहे गायों के साथ अत्याचार को लेकर अब हिंदू संगठन और गौ सेवक मैदान में है गौ सेवकों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेंगे तो कहीं बड़े खुलासे होने की आशंका है इतना ही नहीं लाखों रुपए की ली गई अनुदान राशि में भी बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होगा तहसीलदार से लेकर एसडीएम तक इस मामले की शिकायत है लेकिन अब देखना होगा कुंभकरण की नींद सोए जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं या फिर गौ माता को पूजने वाले लाखों हिंदुओं की आस्था पर पानी फेर दिया जाएगा।

गैस पाइपलाइन हादसे के लिए जिम्मेदार कौन? जांच समिति से आएगा सामने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के बहुचर्चित गैस पाइपलाइन हादसे की जांच रिपोर्ट बुधवार को नगर निगम की जांच समिति द्वारा पेश किए जाने की संभावना है। पूरे शहर की निगाहें इस रिपोर्ट पर टिकी हैं, क्योंकि इससे यह स्पष्ट पीछे आखिर किस स्तर हो सकता है कि हादसे के पर चूक हुई और जिम्मेदारी किसकी बनती है।

जांच के दौरान सबसे बड़ा सवाल वाटर रिचार्जिंग के लिए चुने गए स्थान को लेकर सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह स्थान पहले से तय वाटर रिचार्जिंग स्थलों में शामिल नहीं था, बल्कि बाद में इसका चयन किया गया। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह स्थान किसके कहने पर तय किया गया क्या यह निर्णय किसी अधिकारी ने लिया, किसी पार्षद की अनुशंसा पर हुआ या फिर किसी अन्य स्तर से इसकी स्वीकृति दी गई सूत्रों का यह भी कहना है कि जिस स्थान पर वाटर रिचार्जिंग का कार्य कराया जा रहा था, वह तकनीकी दृष्टि से संवेदनशील माना जा सकता है। यह मुख्य मार्ग पर स्थित है, आसपास ड्रेनेज लाइन की समस्या भी बताई जा रही है और इसी क्षेत्र के निकट से अवंतिका गैस लिमिटेड की गैस पाइपलाइन भी गुजरती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि इन परिस्थितियों के बावजूद यहां वाटर रिचार्जिंग का कार्य कराने का निर्णय किस आधार पर लिया गया और किस स्तर पर इसकी अनुमति दी गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, गुरुवार 02 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

राऊ सेवा सहकारी समिति में स्थापित सांची पार्लर का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव द्वारा बुधवार को इंदौर प्रीमियर कोऑपरेटिव बैंक की राऊ शाखा से संबद्ध राऊ सेवा सहकारी समिति में स्थापित सांची पार्लर का शुभारंभ किया गया। समारोह में उपायुक्त सहकारिता मनोज जायसवाल, अपेक्स बैंक के संभागीय शाखा प्रबंधक गणेश यादव, इंदौर प्रीमियर कोऑपरेटिव बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आलोक कुमार जैन, राऊ सेवा सहकारी समिति के प्रशासक सुरेश भंडारी, इंदौर प्रीमियर कोऑपरेटिव बैंक राऊ शाखा प्रबंधक श्रीमती मंजू चौहान, समिति प्रबंधक प्रदीप कुमार नागर सहित बैंक एवं समिति के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों ने सांची पार्लर के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारिता के माध्यम से इस प्रकार की पहल आमजन को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने के साथ-साथ सहकारी संस्थाओं को भी सशक्त बनाएगी।

मंत्री सिलावट ने सांवेर के सीएम राइज स्कूलों का किया दौरा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के सीएम राइज स्कूल पाल कांकरिया एवं कच्छालिया का भ्रमण कर वहां अध्यनरत विद्यार्थियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छात्रों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, विद्यालयीन गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। मंत्री सिलावट ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का मजबूत आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है और प्रत्येक विद्यार्थी को अपने समय का सदुपयोग करते हुए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। मंत्री सिलावट ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री सिलावट ने स्कूल ग्राउंड में पौधारोपण भी किया।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने जन्मदिन पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने अपने जन्म दिवस पर बुधवार को संभागायुक्त परिसर स्थित अशोक वाटिका में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। पौधारोपण कार्यक्रम में अपर आयुक्त श्री तरूण भटनागर, संयुक्त आयुक्त विकास श्रीमती शिवानी वर्मा, उपायुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, उपायुक्त विकास पुरूषोत्तम पाटीदार, आईडीबीआई बैंक की क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्रीमती शशिकला विष्ट, शाखा प्रबंधक श्रीमती रश्मि पाठक, इमरान, नीरज शर्मा, ह्रदेश विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। डॉ. खाड़े ने कहा कि पौधरोपण से पर्यावरण बेहतर होता है। केवल पौधारोपण हीं नहीं करें साथ में उसका रक्षण भी जरूरी है। यह आयोजन आईडीबीआई बैंक के स्थापना दिवस पर आयोजित किया गया। डॉ. खाड़े ने वाटिका में आम, पीपल, नीम, इमली, अनार सहित फलदार पौधों के अलावा अन्य पौधों का भी रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने अशोक वाटिका का अवलोकन किया और अधिकारियों से इसके बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रदेश में जी-राम-जी स्कीम लागू 125 दिन रोजगार की गारंटी

15 दिन में काम नहीं मिला तो मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश में 1 जुलाई से जी राम जी स्कीम लागू हो गई है। इसका मकसद ग्रामीण परिवारों को रोजगार की गारंटी देने के साथ गांवों में स्थायी विकास कार्य कराना है। योजना में कई नई व्यवस्थाएं शामिल की गई हैं। योजना में आवेदन के 15 दिन के भीतर रोजगार देना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं होने पर पात्र व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। 15 दिन में मजदूरी का भुगतान नहीं होने पर 16वें दिन से हर दिन की देरी पर 0.05% प्रतिदिन की दर से कंपनसेशन मिलेगा। योजना के प्रस्तावित नियम कैबिनेट में पेश किए जाने थे, लेकिन मंगलवार और बुधवार को कैबिनेट की बैठक नहीं हुई। नियमों का राजपत्र में प्रकाशन कर दिया गया। मप्र सरकार जल संरक्षण और बांध जैसे बड़े प्रोजेक्ट में भी इसे लागू करने की तैयारी कर रही है। योजना का क्रियान्वयन 60:40 के अनुपात में होगा, यानी केंद्र 60 फीसदी पैसा देगा और राज्य सरकार को 40 फीसदी वित्तीय भार उठाना पड़ेगा।

योजना का लाभ कैसे मिलेगा...

- योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक पात्र परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन का अकुशल रोजगार मिलेगा। यह मौजूदा मनरेगा के 100 दिनों से अधिक है। परिवार के वयस्क सदस्य स्वेच्छा से काम कर सकेंगे।
- यदि आवेदन करने के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो आवेदक दैनिक बेरोजगारी भत्ते का हकदार होगा। पहले 30 दिन के लिए मजदूरी दर का 25 फीसदी और उसके बाद में 50 फीसदी भत्ता मिलेगा।
- काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी साप्ताहिक आधार पर दी जाएगी। किसी भी स्थिति में काम करने की तारीख से 15 दिन के भीतर भुगतान करना अनिवार्य होगा।
- यदि मस्टर रोल बंद होने के 15 दिन बाद भी मजदूरी नहीं मिलती, तो 16वें दिन से भुगतान होने तक बकाया मजदूरी पर प्रतिदिन 0.05% की दर से मुआवजा (कंपनसेशन) दिया जाएगा। इससे समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है।
- रोजगार के लिए आवेदन मौखिक, लिखित या डिजिटल माध्यम से किया जा सकेगा। आवेदन ग्राम पंचायत, वार्ड सदस्य, कार्यक्रम अधिकारी या अधिकृत पोर्टल पर किया जा सकेगा। आवेदन की रसीद भी अनिवार्य रूप से मिलेगी।
- जिस ग्रामीण परिवार का पंजीकरण होगा और जिसके वयस्क सदस्य का नाम रोजगार गारंटी कार्ड में दर्ज होगा, वही योजना के तहत काम मांग सकेगा। परिवार का कोई भी वयस्क सदस्य आवेदन कर सकता है।
- योजना के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण सड़कें, सिंचाई, आजीविका बढ़ाने वाले कार्य, मूलभूत ग्रामीण अधोसंरचना और जलवायु परिवर्तन से बचाव से जुड़े विकास कार्य कराए जाएंगे। इनका उद्देश्य गांवों की स्थायी संपत्ति तैयार करना है।
- योजना में जीपीएस, मोबाइल आधारित उपस्थिति, रियल-टाइम डेशबोर्ड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा। इससे फर्जीवाड़ा रोकने, भुगतान की निगरानी और पारदर्शिता बढ़ाने का दावा किया गया है।
- राज्य सरकार वंचित और जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता से रोजगार उपलब्ध कराएगी। इसका उद्देश्य ऐसे परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करना है।
- योजना का लक्ष्य केवल मजदूरी देना नहीं, बल्कि 'विकसित ग्राम पंचायत योजना' के तहत गांवों का समग्र विकास करना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान ने जनभागीदारी का रचा नया इतिहास, सोशल मीडिया पर मिली वैश्विक पहुंच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुख्य उद्देश्यों के साथ संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के साथ देश और विदेश के लगभग 7 करोड़ परिवारों तक अपनी पहुंच बनाकर जनभागीदारी का एक नया इतिहास रच दिया है। आगामी मानसून में कम वर्षा की संभावना को देखते हुए पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के दूरदर्शी उद्देश्य से शुरू हुआ यह महा अभियान 30 जून को भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दृढ़ संकल्प से यह अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर एक विराट वैश्विक जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है।

इस महाअभियान को सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। ट्विटर (एक्स), फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के आधिकारिक माध्यमों द्वारा प्रतिदिन जागरूकता पोस्टर, लघु फिल्में और इन्फोग्राफिक्स साझा किए गए। अभियान हैशटैग्स के माध्यम से प्रदेश और देश के कोने-कोने तक जल संरक्षण का संदेश फैला, जिससे कुल 6 करोड़ 95 लाख 74 हजार 820 से अधिक लोगों तक इस अभियान की डिजिटल पहुंच सुनिश्चित हो सकी और लोग जल स्त्रोतों को सहेजने की मुहिम से सीधे जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सतत मॉनिटरिंग और विशेष डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से अभियान में पूरे राज्य में रिकॉर्ड स्तर पर कार्य किए गए। प्रदेश भर में 10,514 करोड़ रुपये की लागत से 3 लाख 63 हजार से अधिक जल संरचनाओं के निर्माण और जीर्णोद्धार के कार्य पूर्ण किए गए। भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड समय में 67,708 खेत-तालाब, 225 अमृत सरोवर और 97,614 कूप रिचार्ज संरचनाएं तैयार की गईं।

विद्यालयों की मेस और कैंटीनों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

- तीन विद्यालयों का निरीक्षण कर लिए गये 22 खाद्य नमूने, बिना लाइसेंस संचालित मेस तत्काल कराया बंद
- खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन के निर्देश, जांच रिपोर्ट के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के विरुद्ध सतत एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा विद्यालयों एवं छात्रावासों में संचालित मेस एवं कैंटीनों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत 03 विद्यालयों का निरीक्षण कर कुल 22 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए, वहीं एक विद्यालय में आवश्यक खाद्य पंजीयन/अनुज्ञप्ति के अभाव में खाद्य गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद कराई गईं। बुधवार को बिचौली मर्दाना रोड स्थित अग्रवाल पब्लिक स्कूल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्कूल मैनेजर श्री कालीचरण तिवारी की उपस्थिति में हॉस्टल मेस का निरीक्षण किया गया, जहां हॉस्टल में निवासरत छात्रों हेतु भोजन निर्माण किया जाना पाया गया। निरीक्षण में पाया गया कि खाद्य गतिविधि संचालन हेतु आवश्यक वैध खाद्य पंजीयन/ अनुज्ञप्ति उपलब्ध नहीं थी। इसके अतिरिक्त भोजन निर्माण में उपयोग किए जाने वाले पानी की एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं पाई गई, फूड हैंडलर्स के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं थे, तथा परिसर में उपयोग किए जा रहे चाकू एवं चॉपिंग बोर्ड को बदलने हेतु निर्देश दिए गए। मौके से पोहा, चना दाल, तुअर दाल, आटा, काबुली चना, राजमा, काला नमक, आयोडाइज्ड नमक, रेड चिली सॉस, सोया सॉस, हल्दी पाउडर एवं धनिया पाउडर के कुल 12 नमूने जांच हेतु लिए गए। आवश्यक खाद्य पंजीयन/अनुज्ञप्ति उपलब्ध न होने के कारण वैध खाद्य पंजीयन/अनुज्ञप्ति प्राप्त होने तक विद्यालय की मेस में संचालित खाद्य गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद कराई गईं।

विकास जोशी संयुक्त संचालक विधि प्रकोष्ठ संभाग के सेवानिवृत्ति के अवसर पर किया भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विकास जोशी संयुक्त संचालक विधि प्रकोष्ठ लोक शिक्षण संभाग इंदौर 30 जून को अपनी सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये। बिदाई समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती अनिता चौहान जॉइंट डायरेक्टर लोक शिक्षण संभाग इंदौर ने की। सेवानिवृत्ति के अवसर पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष एव समाजसेवी सोहनलाल परमार, शौर्य मल्होत्रा जिला शिक्षा अधिकारी इंदौर, श्रीमती किरण बाला चौहान सहायक संचालक, केएस डावर सहायक संचालक, श्रीमती मीनल अवास्या सहायक संचालक विधि प्रकोष्ठ, श्रीमती नीतू डोंगरे, हेमंत वर्मा सहायक संचालक क्रीड़ा, एम एस निगवाल योजना अधिकारी योगेंद्र गीते प्राचार्य चांदेर, जीडी अग्रवाल, श्रीमती सपना भदौरिया, ललित कुमार पारिख, नितिन शर्मा, केके आर्य, गोहिल, राजेश जोशी, नरेंद्र ठाकुर की ओर से विकास जोशी का शाल-श्रीफल, तिलक लागकार अभिनंदन पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया गया एंव उनके स्वास्थ्य, सुखी, दीर्घायु जीवन एंव उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की गई। एवं उनके कार्यकाल की भूरि भूरि प्रशंसा की। जोशी ने अपने कार्यकाल के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। जेडी श्रीमती अनिता चौहान का स्वागत सोहनलाल परमार ने पुष्पहारों से किया। संचालन श्रीमती अनिता श्रीवास्तव ने किया। विदाई के अवसर पर विकाश जोशी का पूरा परिवार व ईस्ट मित्र ग्वालियर, भोपाल, देपालपुर एवं अन्य जिले से उपस्थित रहे।

संस्कारों की सच्ची मिसाल और श्रमिकों की सादगी

इंदौर ● समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त सम्पन्न और शिक्षित वर्ग अक्सर अपने गुरूर में यातायात के नियमों की उपेक्षा करता है, वहीं दूसरी ओर कठिन परिश्रम से अपना जीवन व्यतीत करने वाले दिहाड़ी मजदूर जेब्रा क्रासिंग पर सावधानीपूर्वक चलकर सड़क पार करते हुए सुरक्षा नियमों के प्रति अपनी गहरी निष्ठा और अनुशासन दिखाते हैं। उनके मन में परिवार की सुरक्षा और खुशी की चिंता स्पष्ट दिखाई देती है। यह मनोरम दृश्य हमें आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करता है कि उत्तम संस्कार और सच्ची नागरिक चेतना किसी ऊँचे पद, महंगी गाड़ी, उच्च शिक्षा या सामाजिक प्रतिष्ठा पर निर्भर नहीं होती। यह तो आत्म-अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान से उपजा हुआ दायित्वबोध है। समाज का असली चरित्र महज डिग्री और धन से नहीं, बल्कि हमारे संयमित आचरण और नैतिक व्यवहार से ही निर्मित होता है।

कृषि महाविद्यालय में 'कृषि विपणन में प्राकृतिक खेती एवं सहकारी संस्थाओं की भूमिका' विषय पर सम्मेलन सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भोपाल द्वारा इंदौर के कृषि महाविद्यालय में 'कृषि विपणन में प्राकृतिक खेती एवं सहकारी संस्थाओं की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय कृषि विपणन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 से अधिक किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संघ के सचिव महेंद्र दीक्षित रहे। अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय इंदौर के डीन भरत सिंह ने की। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कृषि, उपसंचालक कृषि, उपसंचालक आत्मा, इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिला विपणन अधिकारी, विपणन संस्थाओं तथा सहकारी समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सम्मेलन में प्राकृतिक खेती अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए आय वृद्धि, लागत में कमी और टिकाऊ कृषि प्रणाली के लाभों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों ने आधुनिक कृषि विपणन तकनीकों, वैज्ञानिक भंडारण उपायों तथा बेहतर विपणन व्यवस्था की जानकारी दी। स्टार एग्री एवं समुन्नती संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने किसानों को ऋण सुविधाओं, वित्तीय सेवाओं और कृषि व्यवसाय संबंधी योजनाओं से अवगत कराया।

जनपद पंचायत इंदौर में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनपद पंचायत इंदौर के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल) की अध्यक्षता में आज जनपद पंचायत कार्यालय में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण रुप से समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जनपद अध्यक्ष कान्हा पटेल ने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे और कोई भी व्यक्ति इन योजनाओं से वंचित न रहे।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया संकट का असर गहराया, सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था और विनिर्माण ने बढ़ाई चिंता

एचएसबीसी की मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष जून में भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि की रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त होने को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था के फिर से रफ्तार पकड़ने की संभावना फिलहाल नजर नहीं आ रही है। बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर में गिरावट और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ अब देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि भी धीमी पड़ गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, विनिर्माण में वृद्धि का आंकड़ा इस वर्ष मई के 55.0 से घटकर जून में 54.2 पर पहुंच गया। यही नहीं, नई कारोबारी मांग और अंतरराष्ट्रीय बिक्री की वृद्धि दर सुस्त रहने से वस्तुओं की खरीद, रोजगार सृजन और उत्पादन की रफ्तार भी कम हो गई है। यानी कुछ उपक्रमों को छोड़ दिया जाए, तो देश के ज्यादातर क्षेत्रों की वृद्धि में गिरावट देखी जा रही है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। हालांकि, महंगाई से राहत दिलाने के लिए तेल कंपनियों ने बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी के 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर पर 183.50 रुपये और विमान ईंधन में पांच रुपये प्रति लीटर की कटौती की है, लेकिन पिछले दिनों बढ़ाए गए दामों के मुकाबले यह राहत बेहद कम है। इसमें दोराय नहीं कि पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय था, लेकिन सवाल यह है कि सरकार की ओर से इसके प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाशने पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? ऐसा भी नहीं है कि सरकार इस संकट की संभावनाओं से अनभिज्ञ थी। दावे किए जाते रहे कि स्थिति को संभालने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, मगर इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आते हैं। एचएसबीसी की मासिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, इस वर्ष जून में भारतीय वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि की रफ्तार 39 महीनों में सबसे कमजोर रही। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि भारतीय निर्यात कारोबार पर कितना गहरा असर पड़ा है। सर्वेक्षण में कई कंपनियों ने माना है कि उन्हें हाल के दिनों में नई नियुक्तियां रोकनी पड़ीं या उन्हें कम कर दिया गया।

आधुनिकता का यह कैसा आक्रोश ?

आज हमारा समाज एक अत्यंत संवेदनशील, जटिल और अभूर्व सामाजिक-मनोवैज्ञानिक बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं द्वारा किए जाने वाले हिंसक अपराधों, घरेलू विवादों में आक्रामकता और गंभीर वारदातों में उनकी संलिप्तता की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह बदलाव उस पारंपरिक भारतीय समाज के लिए एक बड़ा वैचारिक झटका है, जिसने सदियों से महिलाओं को सहज रूप से सहनशीलता, करुणा, त्याग और धैर्य के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में देखा और परिभाषित किया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ममता और संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति मानी जाने वाली आधी आबादी का एक हिस्सा आज इतनी हिंसक और आक्रामक प्रवृत्तियों की ओर क्यों बढ़ रहा है? क्या यह आधुनिकता का कोई विकृत रूप है, या फिर हमारे बीमार होते सामाजिक ढांचे की कोई गहरी गूंज?

इस आक्रामकता के मूल कारणों की पड़ताल करें, तो इसका सबसे पहला और मुख्य सिरा आधुनिक जीवनशैली के अत्यधिक मानसिक तनाव और 'वर्क-लाइफ' के असंतुलन से जुड़ता है। आज की महिला एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रही है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए कार्यस्थल पर पुरुषों के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा कर रही है और करियर की ऊंचाइयों को छू रही है। लेकिन विडंबना यह है कि बाहर की इस आधुनिकता के बावजूद, घर के भीतर का सामाजिक ढांचा आज भी काफी हद तक पारंपरिक ही है। कामकाजी होने के बाद भी समाज यह उम्मीद करता है कि वह घर के चूल्हे-चौके, बच्चों की परवरिश और बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी भी उतनी ही परफेक्शन के साथ निभाए। हर मोर्चे पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने और 'सुपरवुमन' बनने का यह निरंतर सामाजिक व पारिवारिक दबाव महिलाओं को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। समय की कमी, भरपूर नींद न आना और लगातार थकान मिलकर एक ऐसा मानसिक फ्रस्ट्रेशन (कुंठा) पैदा करते हैं, जो उचित 'एंगर मैनेजमेंट' (क्रोध प्रबंधन) न होने पर अचानक तीव्र गुस्से और हिंसक व्यवहार के रूप में फूट पड़ता है।

हाल ही में पुणे (पूना) के लोहागढ़ किले में मंगेतर केतन अग्रवाल की गहरी खाई में धकेलकर की गई जघन्य हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंगेतर (जिसकी पहचान मीडिया व सामाजिक विमर्शों में केतन अग्रवाल हत्याकांड के रूप में चर्चित है) ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर, सामाजिक-पारिवारिक दबाव और शादी से पीछे न हट पाने के चलते, ठंडे दिमाग से हत्या की साजिश रची और उसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। ठीक इसी तरह, भोपाल के हाई-प्रोफाइल ससुराल में प्रताड़ना के बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत की घटना, और भोपाल में ही दो सगी बहनों द्वारा अन्य लड़कियों को ब्लैकमेलिंग व शोषण के आपराधिक जाल में धकेलने का मामला भी सामने आया है। महाराष्ट्र (बीड): नशे की लत से परेशान होकर नसरीन नामक महिला ने अपने पति शरीफ पठान की तार से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने इसे स्वाभाविक मौत बताने के लिए हार्ट अटैक की झूठी कहानी गढ़ी, जिसे पुलिस ने पूछताछ में उजागर कर दिया। तेलंगाना (महबूबनगर): एक महिला (कविता) ने अपने 38 वर्षीय पति नागेश की सोते समय चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी। चीखें सुनकर दौड़े पड़ोसियों और बेटे की आंखों के सामने हुए इस मर्डर के कारणों की पुलिस जांच कर रही है। मध्य प्रदेश (इंदौर/धार): एक पत्नी (प्रियंका) ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति देवकृष्ण की हत्या की खौफनाक साजिश रची। पहले इसे लूटपाट का रूप दिया गया, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि पत्नी ने प्रेमी के माध्यम से हत्यारों को 1 लाख रुपये की सुपारी दी थी। उत्तर प्रदेश (बागपत): एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति को नींद की गोलियां दीं और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इलाज के दौरान पति की मौत के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये घटनाएं यह साबित करती हैं कि जब नैतिक व्यवस्था बिखरती है, तो अपराध और आक्रामकता का कोई जेंडर नहीं रह जाता। जहाँ एक तरफ महिलाएं आज भी बर्बर घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाओं द्वारा विवादों से निकलने या अपनी राह का रोड़ा हटाने के लिए कत्ल और साजिश जैसे जघन्य रास्तों को चुनना यह दिखाता है कि समाज में सहिष्णुता और संवाद की जगह अब खतरनाक आक्रामकता ले रही है।

इस सामाजिक बदलाव की पुष्टि केवल धारणाओं से नहीं, बल्कि देश के आधिकारिक आंकड़ों से भी होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट पर नजर डालें, तो भारत की जेलों में बंद महिला कैदियों (विचाराधीन और दोषी दोनों) की संख्या में पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2000 में जहाँ जेलों में महिला कैदियों की संख्या 9,089 थी, वहीं यह संख्या अब बढ़कर 23,700 से अधिक हो चुकी है। यानी इस अवधि में महिला कैदियों की संख्या में करीब 162% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि इसी दौरान देश की कुल आबादी महज 30% के आसपास बढ़ी है। हालांकि कुल अपराधियों में महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों की तुलना में बेहद कम (करीब 4 से 6 प्रतिशत) है, लेकिन अपराध के ग्राफ में उनकी संख्या बढ़ने की यह रफ्तार बेहद डराने वाली है। इतना ही नहीं, समाजशास्त्रियों के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अपराधों की प्रकृति भी बदल रही है। पहले जहाँ महिलाएं ज्यादातर छोटे-मोटे घरेलू विवादों या विवशतावश किए गए छोटे अपराधों में संलिप्त पाई जाती थीं, वहीं अब गंभीर चोट पहुँचाने हत्या और धोखाधड़ी जैसे गंभीर व हिंसक अपराधों के तहत महिलाओं की गिरफ्तारियां बढ़ी हैं। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि महिलाओं के भीतर का अवसाद और तनाव अब कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले गंभीर आक्रोश में तब्दील हो रहा है।

एक अन्य सामाजिक कारण संयुक्त परिवारों का तेजी से टूटना और एकल परिवारों का बढ़ना है। आज के एकल परिवारों में महिलाएं पूरी तरह अकेली हो चुकी हैं। उनके पास अपनी भावनाएं, अपनी असुरक्षाएं और अपना रोना रोने के लिए कोई भरोसेमंद कंधा या सामाजिक 'वेंटिलेशन' (निकासी का रास्ता) नहीं है। पड़ोसियों से संवाद खत्म हो चुका है। यह अंतहीन अकेलापन और अपनी बात न कह पाने की लाचारी धीरे-धीरे गहरे अवसाद (डिप्रेशन) और एंग्जायटी में बदल जाती है। जब इंसान के भीतर की नकारात्मक भावनाएं बाहर निकलने का रास्ता नहीं पातीं, तो वे अंततः ज्वालामुखी की तरह आक्रामक व्यवहार के रूप में फटती हैं। इसके ऊपर, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर परोसी जा रही हिंसक सामग्री और रील्स कल्चर ने लोगों के मानसिक संतुलन को और बिगाड़ दिया है, जिससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन और हिंसक प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं।

महिलाओं में बढ़ती इस आक्रामक प्रवृत्ति को केवल एक 'लॉ एंड ऑर्डर' (कानून-व्यवस्था) या जेंडर की समस्या मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह दरअसल हमारे समूचे सामाजिक ताने-बाने के बीमार होने का एक गंभीर अलार्म है। सशक्तिकरण का सच्चा अर्थ केवल महिलाओं को आर्थिक या राजनीतिक रूप से मजबूत बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें एक ऐसा सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल देना भी है जहां वे मानसिक रूप से शांत और संतुलित रह सकें।

यदि हमें इस पारिवारिक और सामाजिक बिखराव को रोकना है, तो परिवार के स्तर पर पुरुषों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी और घरेलू जिम्मेदारियों में बराबर का हाथ बंटाना होगा ताकि महिलाओं पर से दोहरा बोझ कम हो सके। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में बैठी झिझक को तोड़ना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर 'स्ट्रेस रिलीफ' और काउंसलिंग सत्रों को अनिवार्य किया जाना चाहिए। हमें समझना होगा कि एक शांत, गरिमापूर्ण और अहिंसक समाज का निर्माण तभी संभव है, जब उस समाज की रीढ़ कही जाने वाली महिलाएं मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ और सुरक्षित महसूस करेंगी।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

उफनते नाले में उतार दी यात्रियों से भरी बस

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● भगवानपुरा आदिवासी क्षेत्र में बाढ़ के बीच एक निजी यात्री बस को पुलिया से निकालने का मामला सामने आया है। तेज बारिश के बाद पहाड़ी नदी में आए तेज बहाव के बावजूद चालक ने बस को पुलिया से निकाल दिया। इस दौरान बस में यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, यह घटना 28 जून की है। उस दिन पहाड़ी क्षेत्र में हुई तेज बारिश के बाद नदी-नालों में बाढ़ आ गई थी। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि निजी सुरूर यात्री बस, जो खरगोन से सिरवेल क्षेत्र के बीच चलती है। बस को तेज बहाव के बीच पुलिया से निकाला गया इसमें करीब 40 यात्री सवार थे। जबकि

नदी के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों के साथ पानी उतरने का इंतजार कर रहे थे।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि बारिश के दौरान डूबने वाली पुल-पुलियों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और चेतावनी बोर्ड नहीं हैं। भगवानपुरा और झिरनिया का क्षेत्र वन क्षेत्र होने के कारण यहां की पुलियाओं पर बाढ़ का पानी तेजी से आ जाता है।

भगवानपुरा थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह लौवंशी ने कहा कि क्षेत्र में एहतियात बरती जा रही है। सिरवेल क्षेत्र में कोटवारों को निगरानी रखने के लिए अलर्ट किया गया है। हालांकि, उन्होंने अपने थाना क्षेत्र में इस बस के गुजरने की पुष्टि नहीं की।

टंट्या मामा की मूर्ति खंडित, आदिवासी समाज ने कलेक्टर-एसपी से मिलकर कार्रवाई की मांग की

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● सरदारपुर के ग्राम जोलाना में अमर शहीद टंट्या मामा की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने के बाद आदिवासी समाज में आक्रोश बढ़ गया है। इस मामले को लेकर बुधवार को विधायक प्रताप ग्रेवाल के नेतृत्व में आदिवासी समाजजनों ने धार में कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की।

आवेदन में बताया गया कि जोलाना स्थित आदिवासी क्रांतिकारी टंट्या मामा की मूर्ति को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने जानबूझकर खंडित कर दिया है। इस कृत्य से क्षेत्र के सभी समाजजनों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह कृत्य समाज में वैमनस्य फैलाने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास प्रतीत होता है।

इससे पहले, विधायक प्रताप ग्रेवाल के नेतृत्व में आदिवासी समाज ने सरदारपुर थाने पर भी ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि, 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा मूर्ति खंडित करने वाले अज्ञात व्यक्ति को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्र में नाराजगी है।

समाजजनों ने मांग की है कि घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कराई जाए। असामाजिक तत्वों की शीघ्र पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए और खंडित प्रतिमा को पुनः स्थापित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति बहाल हो सके।

इस दौरान विधायक प्रताप ग्रेवाल के साथ आदिवासी समाज के बालुसिंह बारिया, भरत सिंह खराड़ी, जीवन गिरवाल, बालुसिंह बारिया, भरत सिंगार, विजय सिंह चोपड़ा, रवि निनामा, रोहित कामदार, रणछोड़ मेड़ा, मनीष भार्गव, सोहन कटारिया, संजय मालवीय, सुखलाल चौहान और लक्ष्मण सहित अनेक समाजजन मौजूद रहे।

जमीन विवाद में एसएएफ जवान और उसके भाई पर हमला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पंधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत टाकली मोरी गांव में मंगलवार सुबह खेत की बोवनी के दौरान कब्जे को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। यहां हथियारबंद लोगों ने सशस्त्र पुलिस बल के एक जवान और उसके भाई पर धारदार हथियारों व लाठियों से हमला कर दिया। मारपीट में एसएएफ जवान के सिर और उसके भाई की पसलियों में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएएफ आरक्षक धर्मेंद्र सोलंकी की पत्नी मनीषा सोलंकी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर हैं। मनीषा ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दिए शिकायती आवेदन में बताया कि उनके पति और देवर अशोक सोलंकी मंगलवार सुबह खेत में कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान ठाकुर, कुंवारसिंह, बंजारी बाई, हेमंत और अन्य लोग वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए अचानक मारपीट शुरू कर दी। मनीषा का आरोप है कि हमलावरों ने मारपीट के साथ ही 52 हजार रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज भी छीन लिए। उन्होंने एसपी से मामले की निष्पक्ष जांच और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। हेल्थ ऑफिसर मनीषा ने आरोप लगाया था कि स्थानीय पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। एसपी से शिकायत के बाद बोरगांव चौकी प्रभारी अविनाश भोपले ने अस्पताल पहुंचकर घायल पीड़ितों के बयान दर्ज किए।

महेश्वर रोड पर गड्ढे भरने का काम शुरू, रहवासी डामरीकरण की मांग कर रहे

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● महेश्वर रोड पर गड्ढे भरने और सड़क को समतल करने का काम बुधवार सुबह से शुरू हो गया है। यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने और मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के असिस्टेंट जनरल मैनेजर वासु मित्तल के निरीक्षण के 24 घंटे के भीतर हुई है।

क्षेत्रीय रहवासियों के अनुसार, बड़वाह के जयस्तंभ चौराहे से टोल टैक्स तक सड़क पर गहरे गड्ढे हो गए थे। इन गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं और लोगों को चोटें लग रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने इस समस्या के संबंध में कई बार स्थानीय अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें दी थीं। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के बाद, मंगलवार को एमपीआरडीसी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर वासु मित्तल ने महेश्वर रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंकित गुप्ता और बड़ी संख्या में रहवासियों ने उनसे मुलाकात की। उन्होंने सड़क की खराब स्थिति से अवगत कराते हुए, जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की थी। एजीएम वासु मित्तल ने मौके पर ही ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि काम जल्द शुरू होगा। उनके आश्वासन के 24 घंटे के भीतर ही बुधवार सुबह से सड़क के गड्ढों को भरने और समतल करने का काम शुरू हो गया। वर्तमान में सड़क के गड्ढों में मुरम और गिट्टी डाली जा रही है। हालांकि, रहवासियों की मांग है कि सड़क का स्थायी समाधान डामरीकरण से ही होगा, ताकि आवागमन पूरी तरह सुरक्षित और सुगम हो सके।

पंचायत विभाग के आदेश में खरगोन बना निमाड़ संभाग

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश में प्रस्तावित निमाड़ संभाग के मुख्यालय को लेकर चल रही खींचतान के बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के एक आदेश ने नई चर्चा छेड़ दी है। विभाग ने जल जीवन मिशन की ट्रेनिंग के लिए जारी शेड्यूल में खरगोन को संभाग मुख्यालय माना है। इससे खंडवा को मुख्यालय बनाने की मांग कर रहे जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों में खलबली मच गई है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संचालनालय ने संभाग स्तर पर होने वाले जल जीवन मिशन के ट्रेनिंग प्रोग्राम का कार्यक्रम जारी किया है। वर्तमान में निमाड़ के चारों जिले इंदौर संभाग का हिस्सा हैं। हालांकि, नए आदेश में मंत्रालय ने प्रशासनिक सहूलियत को देखते हुए इंदौर संभाग के खरगोन और जबलपुर संभाग के छिंदवाड़ा को नए संभाग का दर्जा दिया है।

8 जुलाई को खरगोन मुख्यालय पर होगी ट्रेनिंग

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं के संधारण, संचालन और प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए हर संभाग में अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। खरगोन मुख्यालय पर यह ट्रेनिंग 8 जुलाई को आयोजित होगी। इसमें सीईओ जिला पंचायत, अतिरिक्त सीईओ, मनरेगा के परियोजना अधिकारी और पंचायत समन्वयक अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अफसर शामिल होंगे।

खंडवा में मुख्यालय को लेकर कांग्रेस-बीजेपी आमने-सामने

निमाड़ संभाग का मुख्यालय खंडवा को बनाने के लिए शहर में सियासी संघर्ष जारी है। दो दिन पहले पंधाना विधायक और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता छाया मोरे ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से दोबारा मुलाकात करने की बात कही थी। इस बीच कांग्रेस भी लगातार भाजपा को घेर रही है। मंगलवार को शहर कांग्रेस के नेताओं ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें खंडवा को ही संभागीय मुख्यालय बनाने की प्रमुखता से मांग की गई है।

मप्र राज्य महिल हॉकी एकेडमी की संभागीय प्रतिभा चयन ट्रायल्स आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश खेल व युवा कल्याण विभाग द्वार संचालित मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी एकेडमी ग्वालियर वर्ष 2026-2027 के लिए चयन ट्रायल्स आज सुबह ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर चिमनबाग मैदान पर मध्यप्रदेश राज्य महिल हॉकी एकेडमी की सहायक कोच आकांक्षा परमार ने चयन ट्रायल्स संपन्न करवाई। चयन ट्रायल्स मे इंदौर संभाग के अलाव उज्जैन, देवास के भी खिलाडियों ने भी ट्रायल्स मे भाग लिया चयन ट्रायल्स मे 12 वर्ष से18 वर्ष तक के 120 से अधिक महिला खिलाडियों ने भाग लिया। इस अवसर पर सहायक कोच आकांक्षा परमार ने खिलाडियों को खेल के साथ फिटनेस व डायट की भी जानकारी दी ओर कहा कि प्रतिभा चयन ट्रायल्स से इंदौर की प्रियंका यादव का भारतीय जूनियर महिल टीम मे चयन हुआ इंदौर मे कई प्रतिभाएं हैं इस अवसर पर खेल व युवा कल्याण विभाग इंदौर की क्षेत्रीय अधिकारी श्रीमति रीना चौहान, अन्तरराष्ट्रीय हॉकी खिलाडी प्रियंका यादव, हॉकी इंदौर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ ए के दास, मो इस्माईल अंसारी, सचिव किशोर शुक्ला, सहसचिव मो याकुब अंसारी, कोषाध्यक्ष नजमुदीन खुर्शीद, अतुल खुणे,नितिश गौड, मंजीत सिंह, गुलाम साबिर, अभिषेक यादव, राजपाल सिंह लकी, सुधीर तोपो देवास, मनीष सोलंकी धार, श्रीमति प्रीति भदोरिया उज्जैन, दीपक यादव, अजय गहलोत, आदि खिलाड़ीगड उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला ने किया व अंत मे एसोसिएशन के सहसचिव व कोच मो याकुब अंसारी ने आभार व्यक्त किए।

विंबलडन के पहले ही राउंड में सफर खत्म, सेरेना विलियम्स को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने दी मात

लंदन (एजेंसी) •माया जॉइंट ने अपने युवा करियर का सबसे बड़ा मैच खेला और जीता। उन्होंने सेंटर कोर्ट पर हुए रोमांचक मुकाबले में सेरेना विलियम्स की विंबलडन सिंगल्स में वापसी का सफर पहले ही राउंड में खत्म कर दिया। कभी विंबलडन नहीं जीतने वाली जॉइंट जनवरी से लगातार 11 टूर लेवल मैच हारने के बाद इस चैंपियनशिप में उतरी थीं और उन्होंने सात बार की चैंपियन को 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। अब उनका मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा। सेरेना विलियम्स ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में पहला मैच प्वॉइंट बचाया और फिर निर्णायक सेट में एक ब्रेक से बढ़त बनाई। उन्होंने शानदार खेल दिखाया, लेकिन जॉइंट के हौसले को नहीं तोड़ पाईं। 20 साल की ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने सेरेना की ताकत का डटकर सामना किया और उनकी मशहूर सर्विस को पांच बार तोड़ा और आखिरकार उन्हें हरा दिया। उन्होंने 10 ऐस भी लगाए। सेरेना 2004 में 47 साल की मार्टिना नवरातिलोवा के बाद ओपन एरा में विंबलडन महिला सिंगल्स में खेलने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला थीं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार 1,397 दिन पहले 2022 में अमेरिका ओपन में ऑस्ट्रेलिया की अजला टोमलजानोविच के खिलाफ सिंगल्स मैच खेला था। जॉइंट से चौंकाने वाली हार के बाद 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना अब लेडीज डबल्स कैटेगरी में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ चुनौती पेश करेंगी। सेरेना ने करीब चार साल (1,462 दिन) बाद इस चैंपियनशिप से वापसी की। उन्हें लेडीज सिंगल्स और डबल्स कैटेगरी में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल करियर से रिटायरमेंट ले लिया था।

ताइजुल ने 19वीं बार पांच विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

हरारे (एजेंसी) • यहां खेले गये एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में भले ही बांग्लादेश को जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा हो पर इस मुकाबले में बांग्लादेशी स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किय है। ताइजुल अब टेस्ट क्रिकेट में एक मामले में ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क से भी आगे निकल गए हैं। ताइजुल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 40.2 ओवरों में केवल 138 रन देकर 7 विकेट लिए। इस प्रकार ताइजुल ने अपने टेस्ट करियर में 19वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इस प्रदर्शन के साथ ही ताइजुल ने कई रिकार्ड तोड़े हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाजों में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। इस प्रकार उन्होंने बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के 19 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम टेस्ट में 18 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। ताइजुल का यह मुकाम हासिल करना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 107 टेस्ट पारियों में हासिल की है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में अब्दुल के किरदार से मिली शोहरत और पहचान

मुंबई (एजेंसी) • धारावाहित तारक मेहता का उल्टा चश्मा एक ऐसा शो है, जिसने कई कलाकारों को पहचान दी है। शरद शंकला इनमें से एक हैं। शो में वह अब्दुल का किरदार निभा रहे हैं। आज शरद को लोग उनके असली नाम से ज्यादा अब्दुल नाम से जानते हैं लेकिन पैसा और शोहरत मिलने से पहले उन्होंने बुरे दिन भी देखे हैं। बॉलीवुड में उनकी पहचान पहले चार्ली के रूप में होती थी, क्योंकि वह चार्ली चैपलिन की शानदार नकल करते थे। उन्होंने शाहरुख खान, सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ भी काम किया है। एक पॉडकास्ट में उन्होंने मुश्किल दौर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह और असित मोदी दोस्त हैं। वह उनकी प्रोडक्शन कंपनी नीला टेलीफिल्म्स के साथ अपना एक शुरुआती शो किया था, जिसका नाम था हम सब एक हैं। शो का पहला शॉट उसके साथ लिया गया था, क्योंकि असित भाई शरद को लकी मानते हैं। उन्होंने कहा था कि जब तारक मेहता का उल्टा चश्मा शुरू हुआ, तो वह करीब सात-आठ साल तक काम नहीं कर रहे थे। मुझे वजह तो याद नहीं है, लेकिन मैं मुश्किल दौर से गुजर रहा था। शरद कहते हैं कि 2001 से 2007 तक उन्होंने बहुत कम काम किया। इसके बाद उनके पास काम नहीं था, क्योंकि लोग अपने लोगों को काम देते थे। मुझे पता चला कि असित मोदी एक बड़े पैमाने का शो बनाने की सोच रहे थे। मेरे एक कॉलेज के दोस्त राज प्रेमी ने असित भाई को मेरा नाम सुझाया।

आकांक्षा चमोला ने किया गौरव खन्ना से तलाक लेने का ऐलान

मुंबई (एजेंसी) • अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिसने सभी को चौंका दिया। रियलिटी शो 'लॉक अप 2' के पहले ही एपिसोड में शो की होस्ट फराह खान के सामने आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह और उनके पति तथा टीवी अभिनेता गौरव खन्ना अब अपने वैवाहिक रिश्ते को समाप्त करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ने आपसी सहमति से तलाक लेने का फैसला किया है। आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह और गौरव खन्ना पिछले लगभग एक वर्ष से अलग रह रहे हैं। हालांकि, इस दौरान उन्होंने अपने अलगाव की जानकारी सार्वजनिक नहीं की और इसे निजी ही रखा। उनके अनुसार, यह फैसला किसी विवाद, झगड़े या कटुता का परिणाम नहीं है, बल्कि दोनों ने आपसी समझदारी से यह निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उनके बीच आज भी सम्मान और संवाद कायम है, लेकिन समय के साथ उन्हें महसूस हुआ कि जीवन को लेकर दोनों की प्राथमिकताएं और सोच अब अलग हो चुकी हैं।

उज्जैन संभाग

पुत्र मोह में पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे दिग्विजयः निधि चतुर्वेदी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • वीर भारत न्यास को एक रुपए में करीब 500 करोड़ रुपए की जमीन देने के आरोपों को लेकर कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आरोपों के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पटवारी के दावों को खारिज करने पर कांग्रेस की प्रदेश महासचिव निधि सत्यव्रत चतुर्वेदी ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने फेसबुक पर लंबी पोस्ट लिखकर दिग्विजय सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग तक कर डाली। निधि चतुर्वेदी पूर्व सांसद सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपनी लिखा दिग्विजय का नागपाश, कांग्रेस पर प्रहार...उन्होंने लिखा कि उज्जैन भूमि विवाद में कौन सही है और कौन गलत, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्हें कटघरे में खड़ा करना किसी भी वरिष्ठ नेता को शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि यदि जीतू पटवारी से कोई गलती हुई थी तो दिग्विजय सिंह उन्हें फोन पर, आमने-सामने या पार्टी के आंतरिक मंचों पर अपनी बात बता सकते थे। इसके बजाय उज्जैन जाकर मीडिया के सामने प्रदेश अध्यक्ष के बयान को खारिज करना और उनके लिए अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना पार्टी अनुशासन के खिलाफ है। कांग्रेस में मची अंर्तकलह पर एमपी के खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- कांग्रेस के नेता ही दिग्विजय सिंह को स्लीपर सेल कह रहे हैं। सही मायनों में कांग्रेस जनता को गुमराह कर रही है। कांग्रेस की गुटबाजी और आंतरिक कलह अब पूरी तरह जमीन पर उतर आई है। निधि चतुर्वेदी ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह का यह व्यवहार उनके 'पुत्र-मोह' का परिणाम है। उन्होंने लिखा कि अपने बेटे जयवर्धन सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की महत्वाकांक्षा में दिग्विजय सिंह पार्टी अनुशासन भूल चुके हैं। पोस्ट में उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा और संघ की विचारधारा के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं, तब पार्टी के वरिष्ठ नेता द्वारा अपने ही प्रदेश अध्यक्ष को सार्वजनिक रूप से कमजोर करना विपक्ष को राजनीतिक फायदा पहुंचाने जैसा है। उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं के आत्मसम्मान पर चोट बताया।

महाकाल मंदिर में आए दान का सत्यापन हो-महापौर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की सुरक्षा और उपयोग को लेकर उज्जैन महापौर मुकेश टटवाल ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर एवं श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखकर दान में प्राप्त स्वर्ण-रजत आभूषणों का पारदर्शी भौतिक सत्यापन कराने और उनके उचित उपयोग की मांग की है। महापौर ने 29 जून को लिखे पत्र में कहा है कि भगवान महाकाल के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। श्रद्धालु अपनी आस्था के चलते मंदिर में बड़ी मात्रा में सोना, चांदी, अन्य कीमती आभूषण और नकद राशि अर्पित करते हैं। ऐसे में दान सामग्री का सही रिकॉर्ड, सत्यापन और उपयोग होना जरूरी है। महापौर ने पत्र में बताया कि पूर्व में दान में आई सामग्री के मूल्यांकन, सत्यापन और उपयोग को लेकर मंदिर प्रबंध समिति के माध्यम से एक विशेष समिति बनाई गई थी, लेकिन योजना पर पूरी तरह अमल नहीं हो सका।

मुहर्रम पर विस्फोट करने वालों पर रासुका लगाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • बड़नगर कस्बे में मोहर्रम जुलूस के दौरान क्रेन से हवा में लटकाई गई टाटा मैजिक वैन में विस्फोटक पटाखे फोड़ने के मामले में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सार्वजनिक शांति और जनसुरक्षा को गंभीर खतरा मानते हुए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर तीन मुख्य आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की गई है। रासुका लगाए जाने के बाद बड़नगर थाना पुलिस ने आरोपी शोएब गब्बू खान, जाहिद खान और तपसील उर्फ तस्लीम को कड़ी सुरक्षा के बीच केंद्रीय भेरूगढ़ जेल भेज दिया। घटना 23-24 जून की दरम्यानी रात की है। पुलिस के अनुसार, बड़नगर के अडान मोहल्ले से निकले मोहर्रम जुलूस के दौरान जय स्तंभ चौक पर क्रेन की मदद से एक कबाड़ टाटा मैजिक वैन को करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाया गया। आरोप है कि वैन के ऊपर दो युवक चढ़कर झंडे लहरा रहे थे। उनके नीचे उतरने के बाद वाहन के भीतर रखे बड़ी मात्रा में रॉकेट और सुतली बमों में आग लगा दी गई।

बारिश से सोयाबीन फसल पर संकट, खेत तालाब बने

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव • खातेगांव-कन्नौद क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने खेती-किसानी की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को तेज बारिश के बाद बुधवार को भी दिनभर रिमझिम फुहारें पड़ती रहीं। इस लगातार पानी गिरने से क्षेत्र के कई नदी-नाले उफान पर आ गए हैं, वहीं पानी का सही निकास न होने से खेत तालाब जैसे नजर आने लगे हैं। इससे किसानों की हाल ही में अंकुरित हुई सोयाबीन की नई फसल पर खतरा मंडराने लगा है। भू-संसाधन प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को खातेगांव में जिले की सबसे ज्यादा 115 मिमी (लगभग 4.5 इंच) बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा सतवास में 84 मिमी (लगभग 3.3 इंच) और कन्नौद में 65 मिमी (लगभग 2.5 इंच) पानी गिरा। 1 जून से अब तक की बात करें तो खातेगांव में कुल 414 मिमी (लगभग 16.3 इंच), सतवास में 236 मिमी (लगभग 9.3 इंच) और कन्नौद में 196 मिमी (लगभग 7.7 इंच) बारिश रिकॉर्ड हो चुकी है। कन्नौद के कुसमानिया इलाके में भी पिछले दो दिनों से दोपहर के बाद मौसम बदल रहा है और तेज बौछारें पड़ रही हैं। बुधवार शाम करीब चार बजे शुरू हुई दो घंटे की झमाझम बारिश ने खेतों को पानी से सराबोर कर दिया। किसानों का कहना है कि महंगे दामों पर खरीदा गया सोयाबीन का जो बीज अभी कुछ दिन पहले ही अंकुरित हुआ था, वह लगातार पानी जमा रहने से सड़ सकता है या बह सकता है। परेशान किसानों का कहना है कि अगर बारिश का यह दौर ऐसे ही चलता रहा और खेतों से पानी नहीं निकला, तो फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। ऐसी स्थिति में उन्हें दोबारा से बुवाई करनी पड़ेगी। इससे खाद, बीज और मजदूरी का खर्च सीधे दोगुना हो जाएगा, जिससे किसानों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। यही वजह है कि अब किसानों की नजरें टकटकी लगाए आसमान और मौसम के मिजाज पर टिकी हैं।

शिप्रा आरती में महिलाओं और पुजारियों के बीच मारपीट

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • रामघाट पर रोजाना होने वाली प्रसिद्ध शिप्रा आरती के दौरान दीपक बेचने वाली महिलाओं और पुजारियों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले। आरोप है कि पुजारियों ने आरती में उपयोग होने वाले पीतल के दीपक भी महिलाओं की ओर फेंके। घटना का अब वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोजाना की तरह रामघाट पर शिप्रा आरती चल रही थी। आरती समाप्त होने के बाद दीपक और पूजन सामग्री बेचने वाली महिलाओं व पुजारियों के बीच विवाद हो गया। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं के मुताबिक देखते ही देखते दोनों पक्षों में हाथापाई शुरू हो गई।

महाकाल थाना पुलिस के अनुसार तिलकेश्वर कॉलोनी निवासी उमा यादव अपनी मां ममता परमार के साथ रामघाट पर फूल और दीपक बेच रही थीं। उमा ने शिकायत में बताया कि पुजारी गणेश शर्मा ने आरती के दौरान पूजन सामग्री बेचने से मना किया। इसी बात पर विवाद शुरू हुआ।

उमा का आरोप है कि गणेश शर्मा और अन्य पुजारियों ने गालियां दीं। विरोध करने पर गणेश शर्मा ने हाथ में मौजूद पीतल की आरती उनके सिर पर मार दी। बीच-बचाव करने आई उनकी मां ममता पर भी पीतल की आरती से हमला किया गया, जिससे उनके चेहरे और नाक पर चोट आई।उमा के अनुसार, शिप्रा नाम की एक युवती बीच-बचाव करने आई तो उसके साथ भी मारपीट की गई। बाद में उनके पति सुरेश यादव मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। दूसरी ओर पुजारी विकास शर्मा ने पुलिस को बताया कि आरती के दौरान महिलाओं को पूजन सामग्री बेचने से रोका गया था। इसी बात पर महिलाओं ने गालियां देते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। धक्का-मुक्की के दौरान उनके हाथ में रखी जलती हुई आरती उन्हीं पर गिर गई, जिससे उनके हाथ और आंख के पास चोट आई। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं ने गणेश शर्मा के साथ भी मारपीट की, जिससे उनके चेहरे और पीठ पर चोटें आईं।

स्कूल-कॉलेज के रास्तों की गुटका-सिगरेट दुकानें हटेंगी, अतिक्रमण हटाया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास• जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने मुख्य मार्गों पर अवैध कट पॉइंट बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कट बंद करने के बाद यदि कोई दोबारा अवैध कट बनाता है, या ढाबा एवं पेट्रोल पंप संचालक ऐसा करते हैं, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बरसात के मौसम को देखते हुए इंदौर-देवास, देवास-भोपाल और एबी रोड पर गोवंश के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने गोवंश को गौशालाओं में शिफ्ट करने, कंट्रोल रूम स्थापित करने, हाईवे पर कोटवारों की ड्यूटी लगाने तथा ट्रैफिक, राजस्व, एमपीआरडीसी और एनएच की टीमों से लगातार निगरानी कराने के निर्देश दिए।

बैठक में कोटपा अधिनियम के तहत हाई स्कूल और कॉलेजों के आसपास सिगरेट एवं गुटखा की दुकानें हटाने के भी निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग को ड्रग्स के खिलाफ अभियान तेज करने और थानेवार प्रतिमाह कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। कलेक्टर ने निर्माणाधीन रसूलपुर चौराहा पुल, एमजी रोड और शहर के अन्य विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए। नगर निगम को शहर के गड्ढे भरने, बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाने, एबी रोड से अतिक्रमण हटाने तथा फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

बरसात के दौरान जलभराव वाले पुल-पुलियाओं पर विशेष सतर्कता बरतने, संकेतक बोर्ड लगाने, झाड़ियों की कटाई, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और जाम की स्थिति बनने पर तत्काल रूट डायवर्ट करने के निर्देश भी दिए गए। आरटीओ को बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ अभियान चलाने, स्पीड गवर्नर और स्कूल बस ट्रैकिंग सिस्टम लागू कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बैठक में बताया कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

बारिश की आफत... इंदौर • पहली मूसलाधार बारिश ने ही महानगर बनने की राह ताक रहे देश के स्वच्छ शहर की बदहाल हालत को बयां करते शहर के प्रमुख सड़कों के फोटो...

ग्रामीणों के आक्रोश से भाग खड़े हुए प्रोजेक्ट मैनेजर

मैनेजर की अमर्यादित भाषा पर भड़के किसान

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत
देपालपुर से इंगोरिया रोड चौड़ीकरण का कार्य एक बार फिर बड़े विवादों में घिर गया है। बुधवार को बिरगोदा गांव में सड़क निर्माण में बाधक मकानों और अतिक्रमण को हटाने पहुंची राजस्व व पुलिस विभाग की टीम के सामने ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। इस दौरान जैनको कंपनी के प्रोजेक्ट हेड आशीष अग्निहोत्री ने अमर्यादित का प्रयोग किया इस कारण ग्रामीणों के बीच जमकर तीखी नोकझोंक हुई। मामला बढ़ता देख ठेकेदार के कर्मचारी मौके से भाग खड़े हुए।

देपालपुर से इंगोरिया रोड का निर्माण कार्य मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MPRDC) की निगरानी में

जैनको एंटरप्राइजेस लिमिटेड द्वारा इस मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। बुधवार को जब प्रशासन पुलिस बल के साथ बिरगोदा गांव में बाधक निर्माण हटाने पहुंचा, तो ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कंपनी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार के गुर्गों ने कथित तौर पर सांठगांठ और पैसे लेकर रोड की मूल सेंटर लाइन में हेराफेरी की है, जिससे कइयों के वैध आशियाने संकट में आ गए हैं। वही ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदार ने बिना सोचे-समझे तालाब की पाल को दो फीट से ज्यादा खोद दिया, जिससे जल संरचना को खतरा पैदा हो गया है। इसी बात को लेकर प्रोजेक्ट हेड आशीष अग्निहोत्री ने अपना रसूख दिखाने की कोशिश की गाँव वाले से उंगलिया दिखा कर बात कर रहे थे मैनेजर की इस हरकत को किसान बरदास नहीं कर पाए किसानों ने मैनेजर पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर लताड़ लगाई मामला बढ़ता देख मैनेजर गाड़ी में बैठ चुपचाप निकल लिए।

शुरुआत से ही विवादों में रहा है निर्माण कार्य स्थानीय निवासियों के अनुसार, जब से इस रोड का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, यह लगातार विवादों की छांव में है। कंपनी पर पहले भी कई गंभीर मनमानियों के आरोप लग चुके हैं, जिनमें शामिल हैं बिना अनुमति के विभिन्न तालाबों से अवैध रूप से मिट्टी निकालना हो या बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के शासकीय स्कूल की दीवार को ध्वस्त कर देना। सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग करना और गुणवत्ता की अनदेखी हो सड़क निर्माण कंपनी की इस तानाशाही और मनमानी के पीछे MPRDC के अधिकारियों का मूक संरक्षण है। अधिकारियों की शह के कारण ही ठेकेदार और उसके कर्मचारियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे ग्रामीणों की जायज मांगों को भी दबा रहे हैं।

हंस ट्रेवल्स पर लापरवाही और नियम उल्लंघन के लगे आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • निजी बस सेवा कंपनियों में शामिल हंस ट्रेवल्स एक बार फिर विवादों के केंद्र में है। हाल के वर्षों में कंपनी का नाम सड़क हादसों, फायर सेफ्टी में खामियों, कर्मचारियों पर आपराधिक मामलों, अवैध पार्किंग और नियमों के उल्लंघन जैसी घटनाओं से जुड़ता रहा है। इन मामलों ने यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बुधवार को दौसा जिले में ट्रेवल्स की स्लीपर बस में आग लग गई थी। इससे आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों अनुसार अधिकांश यात्री सो रहे थे, इसलिए उन्हें बाहर के निकलने का पर्याप्त समय नहीं मिल सका। इससे पहले भी कंपनी की बसों के पलटने और कारण तेज रफ्तार के दुर्घटनाओं के कई मामले सामने आ चुके हैं।

कमर्शियल पार्सल भी ढोते हैं- इसके अलावा जांच एजेंसियां समय-समय पर कंपनी की बसों से बिना दस्तावेज वाले व्यावसायिक पार्सल, महंगे सामान और अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त करती रही हैं। नियमों के विपरीत यात्री बसों में भारी कमर्शियल पार्सल ढोने के आरोप भी लगते रहे हैं। यात्रियों से अभद्र व्यवहार और बुकिग संबंधी शिकायतें भी विभिन्न मंचों तक पहुंचती रही हैं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बाद यात्रियों की सुरक्षा और नियमों के सख्ती से पालन को लेकर निगरानी बढ़ाने की मांग तेज हो गई है।

दो बसें हो चुकी हैं जब्त

कुछ समय पहले आरटीओ ने विशेष अभियान के दौरान कंपनी की दो बसें जब्त की थीं। जांच में परमिट, फिटनेस, बीमा और फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच की गईथी। अनियमितताएं मिलने पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी कंपनी सवालों के घेरे में रही है। मुंबई से इंदौर आ रही एक बस में युवती से कथित छेड़छाड़ के मामले में ड्राइवर और क्लीनर सहित एक अन्य युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस घटना के बाद बसों में महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिता बढ़ी।

500 करोड़ की जमीन विवाद में भूमाफिया दीपक मद्दा से 8 घंटे पूछताछ, पुलिस को बताए कई बड़े नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • 500 करोड़ की डायमंड कॉलोनी सोसाइटी जमीन विवाद में पुलिस की जांच अब तेज हो गई है। बुधवार को पुलिस ने भूमाफिया दीपक मद्दा उर्फ दिलीप सिसोदिया उर्फ दीपक जैन से लंबी पूछताछ की। यह पूछताछ करीब 8 घंटे तक चली। इससे पहले इसी मामले में प्रतीक संघवी से भी पूछताछ हो चुकी है।

डीसीपी अमन सिंह राठौर ने इस पूछताछ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि दीपक मद्दा संयम इंफ्रा कंपनी में डायरेक्टर रह चुके हैं। इसी वजह से उनसे जमीन को लेकर सवाल पूछे गए। पुलिस जानना चाहती थी कि इस जमीन से उनका क्या कनेक्शन है। उनसे यह भी पूछा गया कि अभी की स्थिति में उनकी क्या भूमिका है।

बुधवार को हुई 8 घंटे की पूछताछ में पुलिस ने कई अहम सवाल पूछे। पुलिस ने पूछा कि इस जमीन से दिलीप सिसोदिया का अभी तक कितना लेनदेन रहा है। यह भी पूछा गया कि वे इस जमीन से किस तरह जुड़े हुए हैं। कंपनी से उनका क्या वास्ता है, इस पर भी सवाल हुए। पुलिस ने प्रतीक संघवी के साथ उनके संबंधों को लेकर भी पूछताछ की। इसके अलावा पुलिस ने यह भी पूछा कि क्या वे मोहसिन अली को जानते हैं। इन सभी सवालों के जवाब पुलिस ने दर्ज किए हैं।

सूत्रों के मुताबिक दीपक मद्दा ने प्रतीक संघवी और इस जमीन को लेकर पुलिस के सामने कई बड़े खुलासे किए हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने कुछ और लोगों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। इन सभी का इस जमीन और प्रतीक संघवी से किसी न किसी तरह लेनदेन जुड़ा बताया जा रहा है।

पुलिस अब इन नामों की भी जांच करेगी। जो भी नए नाम इस मामले में सामने आ रहे हैं, उन सभी से आगे पूछताछ की जाएगी। पुलिस इस पूरे नेटवर्क को समझने की कोशिश कर रही है, जिससे यह पता चल सके कि 500 करोड़ की इस जमीन के पीछे असल में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

संयम इंफ्रा कंपनी से जुड़ा मामला

संयम इंफ्रा कंपनी में प्रतीक संघवी के साथ दिलीप सिसोदिया भी डायरेक्टर रहे हैं। हालांकि बाद में उन्होंने कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। जब डायमंड कॉलोनी का विवाद सामने आया, तब सिसोदिया ने पुलिस को पत्र लिखकर अपनी स्थिति साफ की थी। उन्होंने इस पत्र में बताया था कि इस विवाद से उनका सीधा वास्ता नहीं है। इस जमीन विवाद के दौरान पुलिस के साथ मारपीट की घटना भी हुई थी। इसके बाद सीपी संतोष सिंह ने मामले में सख्ती दिखाई। इसी सख्ती के चलते अब जमीन से जुड़े सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करेगी, तीन दिन का मौन सत्याग्रह रखेगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • उज्जैन जमीन खरीद मामले को लेकर एक तरफ जहां कांग्रेस मुख्यमंत्री पर हमलावर है। वहीं इस मामले में कांग्रेस के नेताओं के बयानों से ही पार्टी के भीतर खींचतान मची हुई है। अब कांग्रेस जमीन खरीद मामले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करने जा रही है।

कांग्रेस के प्रवक्ता तीन दिनों तक मौन सत्याग्रह करेंगे-प्रदेश कांग्रेस ने पत्र जारी कर आरोप लगाया है कि मप्र के अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों ने इस गंभीर मामले को न तो प्रमुखता से दिखाया और न ही इस पर सार्थक टीवी बहस कराई। इसके विरोध में कांग्रेस ने अगले तीन दिनों तक 'मौन सत्याग्रह' करने और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है।

संगठन प्रभारी ने जारी किया पत्र-प्रदेश कांग्रेस समिति के संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कमले द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार से जुड़े कथित भूमि घोटाले को लेकर प्रदेशभर में व्यापक चर्चा है। बड़ी संख्या में नागरिक सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़े तथ्य, दस्तावेज और सवाल साझा कर रहे हैं। इसके बावजूद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया इस मुद्दे को जनता तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचा रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जनहित और जवाबदेही से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण विषयों को प्राथमिकता देने के बजाय जनता का ध्यान अन्य मुद्दों की ओर मोड़ा जा रहा है। इससे प्रदेश की जनता तक जरूरी जानकारी नहीं पहुंच पा रही है।

टीबी डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगे कांग्रेस प्रवक्ता - इसी के विरोध में कांग्रेस ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी असहमति दर्ज कराने के लिए अगले तीन दिनों तक मौन सत्याग्रह का निर्णय लिया है। इस दौरान अधिकृत प्रेस वार्ताओं को छोड़कर प्रदेश कांग्रेस का कोई भी अधिकृत नेता, प्रवक्ता या प्रतिनिधि किसी भी टीवी डिबेट में हिस्सा नहीं लेगा।

साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को कोई व्यक्तिगत आधिकारिक बयान भी नहीं दिया जाएगा और किसी भी टेलीविजन बहस में कांग्रेस के प्रतिनिधि शामिल नहीं होंगे। यह निर्देश प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों, प्रवक्ताओं, जिला अध्यक्षों, मोर्चा संगठनों, विभागों-प्रकोष्ठों और जनप्रतिनिधियों को जारी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बस दुर्घटना पर जताया दुःख

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजस्थान के दौसा में ऋषिकेश से इंदौर आ रही एक बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से यात्रियों के निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना अत्यंत ही दुखद एवं हृदयविदारक है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर दुर्घटना में घायलों एवं सभी यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना को लेकर राजस्थान सरकार से सतत संपर्क बनाए रखते हुए प्रभावित सभी यात्रियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

मंदिरों में दान की विश्वसनीयता के बीच खजराना गणेश मंदिर में भी बढ़ाई सतर्कता

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • ऐसे समय में जब मंदिरों को दिए जाने वाले सार्वजनिक दान गलत कारणों से चर्चा का विषय बन रहे हैं, खजराना गणेश मंदिर का सुरक्षित वित्तीय प्रोटोकॉल, जिसने दान निधि के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की है, सही कारणों से आस्था को बनाए रख रहा है।

मंदिर भक्तों के दान से लगभग 5 करोड़ रुपये की वार्षिक आय अर्जित करता है, और बैंक में 6 करोड़ रुपये की सावधि जमा रखता है जिससे ब्याज के रूप में

अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। 13 एकड़ में फैले इस मंदिर में लगभग 500 किलोग्राम चांदी (मुख्य रूप से गर्भगृह में स्थापित) और 6 से 7 किलोग्राम सोना देवी-देवताओं के आभूषणों के रूप में मौजूद है।

मिश्रा ने बताया 'अब तक, स्थानीय प्रशासन ने मंदिर की कमाई और सीधे जनता से मिले दान का इस्तेमाल करके 50 करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर और कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट पूरे किए हैं।'

मंदिर के तीन बैंकों—स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया—में एक्टिव अकाउंट हैं। मंदिर के दान-पात्रों से निकली नकदी की गिनती CCTV की निगरानी में एक संयुक्त टीम करती है, जिसमें बैंक कर्मचारी (बारी-बारी से), इंदौर नगर निगम के अधिकारी और ज़िला खज़ाना विभाग के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। गिनती की पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाती है और वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इन वीडियो रिकॉर्डिंग को एक साल तक सुरक्षित रखा जाता है। मंदिर प्रबंधन ने पुष्टि की कि सिंहस्थ 2028 की तैयारी के लिए 13 एकड़ के परिसर में कई इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

भोपाल-इंदौर से हुई शुरुआत, ग्वालियर-जबलपुर तक होगा विस्तार, दूसरे चरण में 14 और सब-स्टेशन होंगे ऑटोमेटेड

अब रिमोट कंट्रोल से चलेंगे प्रदेश के बिजली सब-स्टेशन, स्मार्ट होगा ट्रांसमिशन नेटवर्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को आधुनिक और अधिक विश्वसनीय बनाने की दिशा में काम कर रही है। कंपनी ने अत्याधुनिक सब-स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम (एसएएस) लागू करते हुए कुछ एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज सब-स्टेशनों का संचालन रिमोट कंट्रोल सेंटर से शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य बिजली आपूर्ति को अधिक सुरक्षित और बेहतर बनाना है।

एमपी ट्रांसको के मुताबिक पारंपरिक रिमोट टर्मिनल यूनिट (आरटीयू) आधारित प्रणाली से आगे बढ़कर सब-स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम (एसएएस) लागू कर रही है। यह तकनीक आधुनिक विद्युत ग्रिड प्रबंधन का मानक मानी जाती है, जिससे उपकरणों के बीच तेज और सुरक्षित संचार संभव होता है तथा पूरे सब-स्टेशन की निगरानी और नियंत्रण रिमोट से किया जा सकता है। इस प्रक्रिया को धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश के बड़े शहरों से इस तकनीक की शुरुआत की गई है। भोपाल और इंदौर के सब स्टेशनों का संचालन रिमोट

कंट्रोल से शुरू किया गया है। कंपनी के मुताबिक इस प्रक्रिया को अपनाने के बाद संबंधित सब स्टेशनों पर ऑपरेटर नहीं रखे गए हैं। बिना किसी ऑपरेटर के इन सब स्टेशनों का संचालन किया जा रहा है। इससे गलतियों कम हो रही हैं और मॉनीटरिंग बेहतर तरीके से हो पा रही है। इससे बिजली सप्लाई के ज्यादा सटीक आंकड़े मिल रहे हैं।

भोपाल और इंदौर से हुई शुरुआत : कंपनी ने राजधानी भोपाल के 132 केवी जीआईएस ई-8 अरेरा कॉलोनी तथा इंदौर के 132 केवी जीआईएस महालक्ष्मी नगर सब-स्टेशनों में सब-स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। इन दोनों सब-स्टेशनों का संचालन अब रिमोट कंट्रोल सेंटर से किया जा रहा है, जिससे मौके पर लगातार ऑपरेटरों की आवश्यकता कम हो गई है।

ग्वालियर और जबलपुर भी जुड़ेंगे : एमपी ट्रांसको अब इस व्यवस्था का विस्तार अन्य प्रमुख शहरों में भी कर रही है। ग्वालियर के 132 केवी फूलबाग जीआईएस सब-स्टेशन का निर्माण ऑटोमेशन तकनीक के साथ जारी है। वहीं पायलट परियोजना के तहत चुने गए तीन अन्य सब-स्टेशनों में 132 केवी मधोटाल (जबलपुर) का ऑटोमेशन कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा 132 केवी अयोध्या नगर (भोपाल) और 132 केवी सत्य साई (इंदौर) सब-स्टेशनों का प्रबंधन भी रिमोट से किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

दूसरे चरण में 14 और सब-स्टेशन : कंपनी ने दूसरे चरण में प्रदेश के 14 अतिरिक्त 132 केवी सब-स्टेशनों को रिमोट ऑपरेशन प्रणाली से जोड़ने की योजना बनाई है। साथ ही भविष्य में बनने वाले सभी नए सब-स्टेशनों में शुरुआत से ही सब-स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिससे पूरे ट्रांसमिशन नेटवर्क को चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट ग्रिड में बदला जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।